रीवा
08 नवंबर 2025 शनिवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना एवं मनेन्द्रगढ़ से एक साथ प्रकाशित

बांग्लादेश की पूर्व... @ पेज 7

'वंदे मातरम् के 150 वर्ष'

पीएम मोदी बोले- 1937 में वंदे मातरम् के टुकड़े हुए,इसने विभाजन का बीज बोया

नया भारत आतंक के विनाश के लिए दुर्गा बनना जानता है

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्गीत वंदे मातरम् के आज शुक्रवार को 150 साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में कार्यक्रम को संबोधित किया। पीएम ने कहा- वंदे मातरम् भारत की आजादी का उद्घोष था। यह हर दौर में प्रासंगिक है। पीएम ने कहा- 1937 में वंदे मातरम् का एक हिस्सा हटा दिया गया था। उसके टुकड़े कर दिए थे। वंदे मातरम् के विभाजन ने देश के विभाजन के बीज बोए थे। राष्ट्र निर्माण के इस महामंत्र के साथ ये अन्याय क्यों हुआ? वही विभाजनकारी सोच आज भी देश के लिए चुनौती बनी हुई है। प्रधानमंत्री ने कहा- वंदे मातरम् के मूल रूप में लिखा है कि भारत माता सरस्वती, लक्ष्मी और दुर्गा हैं। जब दुश्मन ने आतंक के लिए जरिए भारत की सुरक्षा और सम्मान पर हमला करने का दुस्साहस किया, तो पूरी दुनिया ने देखा, नया भारत आतंक के विनाश के लिए दुर्गा भी बनना जानता है। प्रधानमंत्री ने राष्ट्र गीत के 150 साल पूरे होने के मौके पर एक डाक टिकट और सिक्का जारी किया। उन्होंने साल भर चलने वाले स्मरण समारोह का उद्घाटन किया और एक वेबसाइट भी लॉन्च की। पीएम ने वंदे मातरम् के सामूहिक गायन कार्यक्रम में भी भाग लिया।

पीएम की स्पीच की अहम बातें-

- प्रधानमंत्री ने कहा- रवींद्रनाथ टैगोर ने एक बार कहा था कि बंकिमचंद्र का आनंदमठ सिर्फ एक उपन्यास नहीं है। यह स्वतंत्र भारत का एक सपना है। बंकिम बाबू के लिखे हर शब्द का गहरा मतलब है। इस गीत की रचना गुलामी के दौर में हुई थी, लेकिन यह सिर्फ उसी समय तक सीमित नहीं है। वंदे मातरम् हर युग में प्रासंगिक है।
- पीएम ने कहा- जब 1875 में बंकिम चंद्र ने बंगदर्शन में वंदे मातरम् प्रकाशित किया, तो कुछ लोगों ने सोचा कि यह सिर्फ एक गीत है। हालांकि, धीरे-धीरे, वंदे मातरम् भारत के स्वतंत्रता संग्राम के लाखों लोगों की आवाज बना। एक ऐसी आवाज, जिसने हर भारतीय की भावनाओं की प्रतिध्वनि किया।
- मोदी ने कहा- आज जब हम अपने राष्ट्रीय गीत के 150 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं, यह हमारे देश के महान नायकों के प्रति श्रद्धांजलि है। उन लाखों शहीदों को नमन है, जिन्होंने फांसी पर चढ़ते हुए वंदे मातरम् का नारा लगाया, जिन्होंने वंदे मातरम् जपते हुए कोड़ों की मार झेली।
- मोदी ने कहा- वंदे मातरम् एक शब्द, एक मंत्र, एक ऊर्जा, एक संकल्प है। वंदे मातरम् हमें इतिहास में ले जाता है। ये हमारे भविष्य को नया हौसला देता है कि ऐसा कोई संकल्प नहीं जिसकी सिद्धी न हो सके, ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जो हम भारतवासी पा न सकें।

वंदे मातरम गीत का प्रचार-प्रसार राष्ट्रीय स्तर पर चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा: अमित शाह

पटना, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने शुक्रवार को पटना में देश के राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ मनाने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू करने की घोषणा की। इस अभियान का उद्देश्य देश भर में विभिन्न स्थानीय भाषाओं में इस गीत का प्रचार-प्रसार करना है।

अमित शाह ने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी अभियान पूरे देश में चरणबद्ध तरीके से चलाया जाएगा, जिसमें कई लोग इस गीत का विभिन्न स्थानीय भाषाओं में अनुवाद करेंगे और इसका संदेश फैलाएंगे। इस अभियान में एक डिजिटल पहल भी होगी, जिसका विषय सवंदेमातरम150 होगा और इसे सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जाएगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता विनोद तावड़े के साथ समारोह के दौरान स्वदेशी संकल्प पत्र का भी संकल्प लिया। शाह ने यह घोषणा की कि वंदे मातरम अभियान देशभर में चलाया जाएगा, जिसे हर भारतीय भाषा में प्रचारित किया जाएगा, ताकि देश के हर नागरिक तक इसकी भावना पहुंचे। उन्होंने कहा, भारत कोई जमीन का टुकड़ा नहीं है, यह एक संस्कृति है, एक विचार है। संस्कृति ही हमें एक सूत्र में बांधती है। उन्होंने जनसंघ और भाजपा की राष्ट्रवादी विचारधारा को याद करते हुए कहा कि पार्टी ने हमेशा राष्ट्रीय हित और स्वदेशी भावना को सर्वोपरि रखा है। इसी के तहत कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने 'स्वदेशी संकल्प पत्र' पढ़ा, जिसमें विदेशी उत्पादों के बजाय भारतीय वस्तुओं को अपनाने, गांव-गांव स्थानीय उत्पादन को बढ़ावा देने और युवाओं को स्वदेशी के महत्व के प्रति जागरूक करने की प्रतिज्ञा ली गई।

दिल्ली एयरपोर्ट पर 300 फ्लाइट्स लेट,एटीसी में तकनीकी खराबी

विमानों की लैंडिग-टेकऑफ का शेड्यूल नहीं मिल रहा; भोपाल, चंडीगढ़, अहमदाबाद में भी डिले

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली एयरपोर्ट पर शुक्रवार को 300 से ज्यादा उड़ानों में देरी हुई। एयरपोर्ट के एयर ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम में तकनीकी खराबी की वजह से एयर ट्रैफिक कंट्रोलर्स यानी ATC को फ्लाइट्स का शेड्यूल नहीं मिल पा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि ATC के ऑटोमेटिक मैसेज स्विच सिस्टम (AMSS) में गड़बड़ी आई है। यह प्लेन के शेड्यूल यानी टेकऑफ और लैंडिंग की जानकारी देता है। ATC अधिकारी पहले से मौजूद डेटा के मुताबिक मैन्युअली फ्लाइट शेड्यूल तैयार कर रहे हैं।

दिल्ली एयरपोर्ट पर फ्लाइट लेट होने का असर बाकी एयरपोर्ट्स पर भी दिखा। दिल्ली से वहां आने-जाने वाली फ्लाइट भी लेट हुई। हालात कब तक सामान्य होंगे, अभी इस बारे में दिल्ली एयरपोर्ट अथॉरिटी ने कोई जानकारी नहीं दी है।

फ्लाइट ट्रैकिंग पोर्टल पर दिल्ली के आसमान की तस्वीर : उड़ानों के रूट को ट्रैक करने वाले पोर्टल फ्लाइट अवेयर ने दिल्ली के आसमान में मंडरा रहे प्लेन्स की लोकेशन को ग्राफिक के जरिए दिखाया है। इसमें कई फ्लाइट्स को एक ही जगह चक्कर लगाते देखा जा सकता है।

न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक गुरुवार शाम से ही एयरपोर्ट पर तकनीकी खराबी थी। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट Flightradarwy.com के मुताबिक गुरुवार को 513 फ्लाइट्स देरी से रवाना हो सकी थीं।

फ्लाइट्स लेट होने का असर, 4 पॉइंट्स में

- **यात्री परेशान:** चेक-इन, गेट पर इंतजार, बोर्डिंग लेट, कनेक्शन फ्लाइट छूटने का खतरा बढ़ गया।
- **ऑपरेशन प्रभावित:** दिल्ली एयरपोर्ट में रोजाना 1,500 से अधिक फ्लाइट आती-जाती हैं। इससे एयरलाइन और एयरपोर्ट के कामकाज में देरी हुई।
- **बाकी एयरपोर्ट्स पर असर:** दिल्ली के अलावा बेतिया, लखनऊ, जयपुर, चंडीगढ़ जैसे एयरपोर्ट्स पर भी असर देखा गया।
- **अपकमिंग फ्लाइट्स डिले:** लेट फ्लाइट्स की वजह अपकमिंग फ्लाइट्स का शेड्यूल प्रभावित होता है। फ्लाइट्स लेट होती जाती हैं।

पश्चिम बंगाल के बेंगडुबी सैन्य अड्डे से बांग्लादेशी गिरफ्तार

कोलकाता, एजेंसी। भारतीय सेना ने एक बांग्लादेशी नागरिक को पकड़ा है जो उत्तर बंगाल में सिलीगुड़ी के पास बेंगडुबी सैन्य स्टेशन पर असैनिक मजदूर के रूप में काम कर रहा था। इसके पास से आधार, पैन और वोटर आईडी भी मिले हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सेना के प्रवक्ता ने बताया कि हाल ही में बेंगडुबी सैन्य स्टेशन में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सभी नागरिक कर्मियों का पुनः सत्यापन अभियान चलाया जा रहा था। मजदूरों के दस्तावेजों की जांच के दौरान एक व्यक्ति पर शक हुआ। आगे की तलाशी और जांच में उसके पास बांग्लादेश का राष्ट्रीय पहचान पत्र मिला।

रणनीतिक रूप से संवेदनशील चिकन्स नेक के पास स्थित सैन्य अड्डे पर जांच के दौरान उसे पकड़ा गया।

नौसेना में शामिल हुआ स्वदेशी पोत इक्षक, आपदा राहत अभियानों में बनेगा मददगार

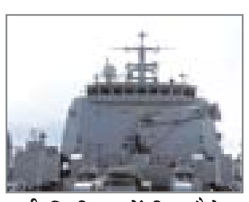

नई दिल्ली, एजेंसी। नौसेना का तीसरा स्वदेशी सर्वेक्षण पोत आईएनएस इक्षक कोच्चि में आयोजित समारोह में औपचारिक रूप से नौसेना कमीशन किया गया। इक्षक के कमांडिंग ऑफिसर कप्तान त्रिभुवन सिंह ने कमीशनिंग वारंट पढ़ा। इसके बाद नौसेना प्रमुख ने कमीशनिंग पट्टिका का अनावरण कर जहाज के नौसेना में शामिल होने की औपचारिक घोषणा हुई। समारोह में नौसेना प्रमुख एडमिरल त्रिपाठी ने कहा कि यह पोत अत्याधुनिक हाइड्रोग्राफिक और ओशनोग्राफिक प्रणालियों से लैस है। साथ ही इसमें हेलिकॉप्टर संचालन की सुविधा भी है। उन्होंने कहा कि आज जब समुद्र-तल के मानचित्रण व दुर्लभ खनिजों पर ध्यान बढ़ रहा है, साथ ही जलवायु परिवर्तन भूमि व समुद्र दोनों को प्रभावित कर रहा है, तो सटीक हाइड्रोग्राफिक आंकड़े न केवल उपयोगी हैं, बल्कि हमारी सामरिक आवश्यकता भी बन चुके हैं।

गन्ना किसानों के आंदोलन से घबराई कर्नाटक सरकार

सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री से लगाई मदद की गुहार

बंगलूरू, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने प्रधानमंत्री मोदी को चिट्ठी लिखकर राज्य में गन्ना किसानों के संकट को हल करने के लिए तुरंत बैठक की मांग की है। कर्नाटक में बीते कई दिनों से कई जिलों के गन्ना किसान आंदोलन कर रहे हैं और उन्होंने राष्ट्रीय राजमार्ग को बंद किया हुआ है। किसान आंदोलन को समर्थन बढ़ता ही जा रहा है और यह आंदोलन कई अन्य जिलों में भी फैल सकता है। सीएम ने प्रधानमंत्री को लिखी चिट्ठी में अपील करते हुए लिखा कि मैं आपसे जल्द से जल्द बैठक करने का अनुरोध करता हूं ताकि हम अपने गन्ना किसानों, अपनी ग्रामीण अर्थव्यवस्था और कर्नाटक और देश में गन्ने की वैल्यू-चेन की भलाई के लिए मिलकर काम कर सकें।

राहुल गांधी बोले- ब्राजीलियन मॉडल तो छोटा सा उदाहरण

असली सवाल हरियाणा में फर्जी तस्वीर से वोट कैसे डाला गया, मॉडल की फोटो 22 वोटर स्लिप पर थी

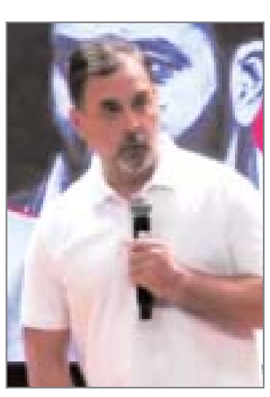

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने ब्राजीलियन मॉडल पर हो रही चर्चा पर शुक्रवार को रिएक्शन दिया। राहुल ने कहा- मीडिया छोटे-छोटे उदाहरण उठा रहा है, जैसे एक ब्राजीलियाई महिला ने वोट कैसे दिया। अरे भाई सवाल तो वही है कि एक फर्जी तस्वीर से वोट कैसे हो गया।

हकीकत यह है कि नरेंद्र मोदी जी, अमित शाह जी और चुनाव आयोग मिलकर संविधान पर हमला कर रहे हैं। हमारे पास और सबूत हैं, हम भारत की जनरेशन और युवाओं को दिखा देंगे कि नरेंद्र मोदी चुनाव चोरी के जरिए प्रधानमंत्री बने हैं।

दरअसल राहुल ने कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि हरियाणा में 2024 विधानसभा चुनाव में 25 लाख वोट चोरी हुए। राहुल ने नीली डेनिम जैकेट पहने एक लड़की की फोटो दिखाकर सवाल किया कि हरियाणा की वोटर लिस्ट में ब्राजीलियन मॉडल का क्या काम है। राहुल ने कांग्रेस कार्यालय में बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में आरोप लगाया था कि ब्राजीलियन मॉडल ने हरियाणा में 10 बूथ पर कभी सीमा, स्वीटी तो कभी सरस्वती के नाम पर 22 वोट डाले। राहुल ने ब्राजीलियन मॉडल का नाम नहीं बताया।

धीरेंद्र शास्त्री-जया किशोरी यात्रा में साथ-साथः

जया बोलीं- दिल्ली से वृंदावन जा रही सनातन हिंदू जोड़ो यात्रा में बाबा के साथ रहूंगी; यात्रा रवाना

खजुराहो, एजेंसी। बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के नेतृत्व में हिंदू सनातन एकता पदयात्रा 2.0 शुक्रवार को दिल्ली के इंद्रप्रस्थ से शुरू हुई। यह यात्रा वृंदावन तक जाएगी। इस यात्रा में धीरेंद्र शास्त्री के साथ कथावाचक जया किशोरी भी रहेंगी। जय किशोरी ने एक वीडियो जारी कर इसकी जानकारी दी है। जया किशोरी ने कहा- हरे कृष्णा, जय सीताराम, मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि बागेश्वर वाले बाबा इस बार फिर सनातन हिंदू जोड़ो यात्रा लेकर आ रहे हैं। मैं भी इस यात्रा में 7 से 16 नवंबर तक शामिल होने वाली हूं। आप सभी सनातनियों से निवेदन है कि आप सभी आएं। पूरी दुनिया के सामने एकता का स्वरूप प्रदान करें। यात्रा से पहले सुबह 9 बजे दिल्ली के कात्यायनी मंदिर परिसर में संत-महात्माओं की उपस्थिति में मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के बाद संतों की ओर से सौंपे गए धर्म ध्वज को लेकर बागेश्वर बाबा के नेतृत्व में यात्रा वृंदावन के लिए रवाना हुई।

पं. धीरेंद्र शास्त्री ने पदयात्रा को लेकर ये बड़ी बातें कही

तनातनी की नहीं, सनातनियों की पदयात्रा : यात्रा से हिंदुओं का डर खत्म होगा। हिंदू एक होगा। पूरी दुनिया को हिंदुओं की ताकत का पता लगेगा। ये तनातनी के लिए नहीं, सनातनियों के लिए पदयात्रा है। हमें मुसलमानों से भी दिक्कत नहीं। यदि वे गजवा ए हिंद कहेंगे, तो हम भगवा ए हिंद बनाकर रहेंगे। यदि वह सर तन से जुदा की बात करेंगे, तो पाकिस्तान में 9 जगह पटाखे फूटे। हमारे पास पटाखे तो हैं नहीं, लेकिन सेना तो फोड़ ही सकते हैं। जब पाकिस्तान इस्लामिक राष्ट्र हो सकता है, तो 80 फीसदी हिंदू वाला भारत हिंदू राष्ट्र हो जाए।

राजनीतिक नहीं, आध्यात्मिक पदयात्रा : ये राजनीतिक नहीं आध्यात्मिक पदयात्रा है। हम चाहते हैं कि जातियां तो रहें, लेकिन उसका अहंकार न रहें। धर्म विरोधी और देश को बिगाड़ने वालों की ठठरी बंधेगी। भारत में जन्म लेने वाला व्यक्ति सनातनी है। जो सनातनी नहीं, वह तनातनी है।

जातियां भले अलग-अलग, हिंदू एक हों : हमारी श्रृंखलाएं अलग हों, संकल्प एक रखना। नदियां अलग-अलग हों। जैसे सभी नदियां समुद्र में मिलती हैं, वैसे हम सब हिंदुओं की जातियां भले ही अलग-अलग हों, लेकिन हम हिंदू एक हों। भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने के लिए, हिंदुओं को जगाने के लिए तन मन हिंदू, रग-रग हिंदू, हर घर हिंदू, हर हिंदुस्तानी हिंदू। इस भाव को प्रबल करने के लिए हिंदुत्व की विचारधारा अपनाएं।

ममता बनर्जी ने एसआईआर फॉर्म लेने का दावा खारिज किया

कहा- जब तक हर बंगाली इसे नहीं भरता, मैं भी नहीं भरूंगी, मीडिया ने झूठ फैलाया

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन SIR (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) फॉर्म स्वीकार करने के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि जब तक बंगाल का हर व्यक्ति फॉर्म नहीं भरता, तब तक वह ऐसा नहीं करेंगी। तृणमूल कांग्रेस के मुखपत्र जागो बांग्ला समेत दूसरे मीडिया संस्थानों ने दावा किया था कि ममता ने स्थानीय बूथ स्तरीय अधिकारी (BLO) से व्यक्तिगत रूप से SIR फॉर्म लिया था। सीएम ने फेसबुक पर लिखा- BLO बुधवार को हमारे कालीघाट इलाके में आए थे और कुछ लोगों को SIR फॉर्म दिया। वह मेरे घर में बने ऑफिस में भी आए। उन्होंने परिसर में वोटर्स की संख्या के बारे में पूछताछ की और फॉर्म दिए। उन्होंने पोस्ट में लिखा- कई मीडिया संस्थानों ने खबर दी कि मैं अपने घर से बाहर आई और अपने हाथों से BLO से SIR फॉर्म लिया।

सुप्रीम कोर्ट का आदेश- स्कूल, कॉलेज, अस्पताल से आवारा कुो हटाएं

नसबंदी करके शेल्टर होम में रखें, जहां से पकड़ें वहीं न छोड़ें,याचिका लगाने वालों ने कहा- आदेश बेहद कठोर

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों को स्कूल, कॉलेज, अस्पताल और बस स्टैंड से दूर रखने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि स्कूल-कॉलेज और अस्पतालों में बाड़ लगाई जाए, ताकि आवारा कुत्ते वहां न पहुंच सकें।

कोर्ट ने कहा कि पकड़े गए आवारा कुत्तों को उसी जगह पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था। उन्हें शेल्टर होम में रखा जाएगा। कोर्ट ने सभी नेशनल और स्टेट हाईवे से आवारा पशु हटाने का आदेश भी दिया।

सर्वोच्च अदालत ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव इन आदेशों का सख्ती से पालन कराने को कहा है। इस मामले में 3 हफ्ते में स्टेटस रिपोर्ट और हलफनामा मांगने को कहा है। अगली सुनवाई 13 जनवरी को होगी।

राजस्थान हाईकोर्ट ने 3 महीने पहले ऐसा ही आदेश दिया : राजस्थान हाईकोर्ट ने 3 महीने पहले सरकारी एजेंसियों को सड़कों से आवारा जानवरों को हटाने का आदेश दिया था। कार्रवाई को प्रभावित करने वालों के खिलाफ स्वद्धक्र के आदेश भी दिए थे। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि राजस्थान हाईकोर्ट का फैसला पूरे देश में लागू होगा।

कोर्ट के आदेश की बड़ी बातें

- सभी नेशनल हाईवे पर आवारा पशुओं की मौजूदगी की सूचना देने के लिए हेल्पलाइन नंबर होंगे।
- सभी राज्यों के मुख्य सचिव इन निर्देशों का सख्ती से पालन करवाएंगे। स्टेटस रिपोर्ट और हलफनामा 3 हफ्ते में दायर किया जाए।
- राज्य सरकारें और UT 2 हफ्ते में ऐसे सरकारी और निजी स्कूल-कॉलेज, अस्पतालों की पहचान करेंगी, जहां आवारा जानवर और कुत्ते घूमते हैं। उनकी एंट्री रोकने के लिए कैंपस में बाड़ लगाई जाएगी।
- रखरखाव के लिए एक नोडल अधिकारी नियुक्त होगा। नगर निगम, नगर पालिका और पंचायत हर 3 महीने में कम से कम एक बार इन कैंपस की जांच करें।
- पकड़े गए आवारा कुत्तों को उसी जगह पर वापस नहीं छोड़ा जाएगा, जहां से उन्हें उठाया गया था।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा था- सरकारी कैंपस में कुत्तों को खाना खिलाने के नियम बनेंगे सुप्रीम कोर्ट ने 3 नवंबर को कहा था कि वह सरकारी बिल्डिंग्स के कैम्पस में कुत्तों को खाना खिलाने के नियम के लिए निर्देश जारी करेगा। कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिव को व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में पेश होने से भी राहत दी थी। लेकिन चेतावनी दी थी कि हलफनामे में चूक हुई, तो उन्हें पेश होना पड़ेगा।

कैसे शुरू हुआ यह मामला यह मामला सुप्रीम कोर्ट ने 28 जुलाई को एक मीडिया रिपोर्ट पर स्वयं नोटिस में लिया था। इसमें दिल्ली में खासकर बच्चों के बीच,आवारा कुत्तों के काटने और उससे होने वाले रेबीज के मामलों की जानकारी दी गई थी। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले का दायरा दिल्ली-एनसीआर तक सीमित न रखते हुए इसे सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए कर दिया था।

फांसी घर मामले में दिल्ली विधानसभा ने केजरीवाल और सिसोदिया को किया तलब, 13 नवंबर को पेशी

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की राजनीति में हलचल मचाने वाले फांसी घर मामले की जांच अब विधानसभा की विशेष समिति करेगी। इस मामले में समिति ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया समेत चार प्रमुख नेताओं को 13 नवम्बर को तलब किया है।

दिल्ली विधानसभा सचिवालय ने बृहस्पतिवार को जारी नोटिस में कहा है कि विशेषाधिकार समिति (कमीटी ऑफ प्रिविलेज) की बैठक 13 नवंबर को दोपहर 3 बजे पुराने सचिवालय स्थित एमएलए लाउंज-1 में होगी। बैठक में 9 अगस्त 2022 को दिल्ली विधानसभा परिसर में उद्घाटन हुए फांसी घर की प्रामाणिकता पर विचार-विमर्श किया जाएगा।

नोटिस के मुताबिक, समिति की अध्यक्षता प्रद्युम्न सिंह राजपूत करेंगे, जबकि समिति के सदस्य अभय कुमार वर्मा, अजय महावर, नीरज बसोया, राम सिंह नेताजी, रवि कांत, सतीश उपाध्याय, सुरेंद्र कुमार और सूर्य प्रकाश खत्री भी मौजूद रहेंगे। समिति ने पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल को 13 नवम्बर को शाम 3:30 बजे, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को 3:45 बजे, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल को 4 बजे और पूर्व उपाध्यक्ष राखी बिड़ला को 4:15 बजे पेश होने का निर्देश दिया है।

विधानसभा सचिवालय के उप सचिव (विधायी) सदानंद साह द्वारा जारी इस नोटिस में संबंधित अधिकारियों को बैठक की तैयारी करने के निर्देश भी दिए हैं। विधानसभा में फांसी घर उद्घाटन का मुद्दा लंबे समय से विवादों में रहा है और इसके पीछे की प्रामाणिकता को लेकर कई सवाल उठे थे। अब विधानसभा समिति की यह जांच तय करेगी कि इसका उद्घाटन वैध था या नहीं।

आप सरकार ने 2022 में विधानसभा के एक कमरे को फांसी घर बताकर किया था संरक्षित: दिल्ली विधानसभा के पिछले मानसून सत्र में फांसी घर का मुद्दा सामने आया था। सबसे पहले विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और अगले दिन मुख्य सचेतक अभय वर्मा ने सदन में इस मुद्दे को उठाया। उन्होंने इस जगह की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा किया। इसके बाद विधानसभा में इस मुद्दे पर पक्ष विपक्ष में तीखी नोक झोंक भी हुई थी।

आम आदमी पार्टी ने 2022 में विधानसभा के एक कमरे को फांसी घर बताकर संरक्षित किया था। जिसका उद्घाटन तत्कालीन अध्यक्ष रामनिवास गोयल ने 9 अगस्त 2022 को किया। लेकिन मौजूदा भाजपा सरकार ने पिछली सरकार के इस पूरे काम को खारिज कर दिया और इस रूम को टिफिन रूम करार दिया। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आप पर दिल्लीवासियों को गुमराह करने का आरोप लगाया और इस पूरे मामले की जांच कराने का एलान किया था।

डीयू में छात्रों को अपना स्टार्टअप शुरू करने का मिलेगा मौका, 15 नवंबर तक कर सकते हैं आवेदन

दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में छात्रों को अपना स्टार्टअप खड़ा करने का मौका मिलेगा। क्लस्टर इनोवेशन सेंटर (सीआईसी) का डिजाइन इनोवेशन सेंटर इसके लिए छात्रों की मदद करेगा। इसके तहत छात्रों को मेंटॉर से गाइडेंस और आर्थिक मदद भी प्राप्त मिलेगी। छात्रों को अपने स्टार्टअप आइडिया पर काम करने के लिए जगह की कमी ना हो इसके लिए उन्हें को-वर्किंग स्पेस भी दिया जाएगा। इससे छात्र अपने स्टार्टअप आइडिया को बड़े व्यापार में बदल सकेंगे।

डीयू ने सीआईसी की इनोवेशन एंड स्टार्टअप स्कीम-आइडिया (इमेजिन, डिजाइन, एक्सिक्यूट, एडमिनिस्टर) के तहत छात्रों से ऑनलाइन आवेदन मांगे हैं। प्राप्त आवेदन में से जिनके प्रस्तावों को चुना जाएगा उन्हें बिजनेस पिच के लिए बुलाया जाएगा और फिर अंतिम चयन होगा। चुने गए आवेदकों को को-वर्किंग स्पेस और सुविधाएं दी जाएंगी। अपने प्रोजेक्ट को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें मेंटॉर भी मिलेंगे और प्रोटोटाइप बनाने के लिए मदद भी दी जाएगी।

छात्रों को मेंटॉर की सुविधा के साथ-साथ आर्थिक मदद भी मिलेगी जिससे वह अपने इनोवेशन और बिजनेस आइडिया को स्टार्टअप में बदल सकें। इस सुविधा का लाभ लेने के लिए तीस साल से कम आयु वर्ग के यूजी और पीजी छात्र 15 नवंबर तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके बाद 24 नवंबर को साक्षात्कार होंगे। स्नातक के अंतिम वर्ष के छात्र अपने अंतिम वर्ष प्रोजेक्ट के तहत वे आइडिया देंगे जो कि समाज के सर्विस आइडिया पर आधारित हों। छात्रों को छः महीने तक मेंटॉर के साथ काम करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद उन्हें प्रमाणपत्र भी मिलेगा। सीआईसी ने स्पष्ट किया है कि छात्र में ऐसा कौशल होना चाहिए जिससे कि वे अपने आइडिया को प्रोडक्ट में बदल सकें। इसके लिए स्टाइपेंड नहा मिलेगा। डिजाइन इनोवेशन सेंटर डीयू के सीआईसी में है जो डिजाइन थिंकिंग, क्रिएटिव प्रैक्टिस, नई टेक्नोलॉजी पर काम कर रहा है। छात्र 222.cic.du.ac.in के माध्यम से अपने प्रोजेक्ट आइडिया के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बैंक चोर गिरोह का सरगना 'मामू' गिरफ्तार, तीन राज्यों में वारदातों का मास्टरमाइंड रहा वांछित

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने बैंक चोरी की वारदातों में सक्रिय अंतरराज्यीय गिरोह 'मामू गैंग' के सरगना को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान बदायूं (उप्र) निवासी कमरुल उर्फ मामू (51) के रूप में हुई है। आरोपित के खिलाफ कर्नाटक राज्य में दर्ज तीन बैंक चोरी के मामलों में गैर-जमानती वारंट जारी था।

क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शुक्रवार को बताया कि जांच में खुलासा हुआ कि कमरुल उर्फ मामू एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का सरगना है, जो कई राज्यों में बैंकों को निशाना बनाता था। यह गिरोह खासतौर पर कर्नाटक और महाराष्ट्र में सक्रिय था। गिरोह के सदस्य बैंकों की रेकी करने के लिए फलों के ठेले लगाकर आम लोगों के बीच घुलमिल जाते थे और फिर रात के अंधेरे में वारदात को अंजाम देते थे।

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि पांच नवंबर को एसआई रवि भूषण को पुख्ता सूचना मिली कि कर्नाटक और महाराष्ट्र पुलिस को वांछित बैंक चोर कमरुल उर्फ मामू दिल्ली के महावीर एन्क्लेव-ढ्ढढ्ढ इलाके में फल विक्रेता बनकर रह रहा है। सूचना को पुख्ता कर पुलिस टीम ने 60 फूटा रोड, उत्तम नगर स्थित महावीर एन्क्लेव इलाके में घेराबंदी कर छापा मारा और आरोपित को धर दबोचा।

पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह स्वयं ÷मामू गैंग÷ का सरगना है। यह गैंग दिन में फलों के ठेले लगाकर बैंक के आसपास रेकी करता था। गिरोह के सदस्य बैंक में आने-जाने वालों की गतिविधियों पर नजर रखते, सुरक्षा व्यवस्था को परखते और रात में वारदात को अंजाम देते थे।

असम-दिल्ली के बीच चल रहे अंतरराज्यीय सिगरेट तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, चार आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने असम से दिल्ली तक चल रहे प्रतिबंधित सिगरेट तस्करी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने इस संबंध में चार आरोपितों को गिरफ्तार कर करीब 31 लाख मूल्य की अवैध सिगरेट जब्त की है। पकड़े गए आरोपितों की पहचान सुल्तानपुरी निवासी संतोष (53), नरेला निवासी मंतोष (43), गुवाहाटी असम निवासी किशोर (44) और नया बांस, दिल्ली निवासी वसीम उर्फ बादशाह (46) के रूप में हुई है। क्राइम ब्रांच के पुलिस उपायुक्त हर्ष इंदौरा ने शुक्रवार को बताया कि 28 अक्टूबर को एएसआई तरुण सिंह रावत को गुप्त सूचना मिली थी कि असम से दिल्ली अवैध सिगरेट की बड़ी खेप आ रही है। सूचना को पुख्ता कर टीम ने मोरी गेट इलाके में छापा मारकर एक ट्रक को रोका। जिसकी तलाशी लेने पर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित सिगरेट बरामद हुई। ब्लैक ब्रांड के पैकेटों पर अनिवार्य स्वास्थ्य चेतावनी व पैकेजिंग विवरण नहीं था, जबकि गोल्ड फ्लैक ब्रांड के दस्तावेज अधूरे पाए गए। इस पर एफआईआर दर्ज कर ट्रक चालक संतोष सिंह को मौके से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में संतोष ने बताया कि वह करोल बाग स्थित एम/एस शिव शक्ति ट्रांसपोर्ट का मालिक है। उसे असम से फोन और मैसेंजर के जरिये ट्रांसपोर्ट के ऑर्डर मिलते थे। प्रतिबंधित सिगरेट असम से लाकर बवाना इंडस्ट्रियल एरिया में स्कूटी सवार मंतोष की मदद से उतारी जाती थी और आगे मोरी गेट भेजी जाती थी। तकनीकी जांच और सीसीटीवी फुटेज से स्कूटी का नंबर मिला और पुलिस ने मंतोष कुमार को भी दबोच लिया।

असम कनेक्शन का पर्दाफाश: मंतोष ने पूछताछ में बताया कि वह एम/एस डबल डायनमिक एसआर ट्रांसपोर्टेशन नामक गुवाहाटी स्थित फर्म के दिल्ली ऑफिस में सुपरवाइजर है और सीधे असम के सप्लायर किशोर से संपर्क में था। किशोर ही अवैध सिगरेट के ट्रक दिल्ली भेजता था। ट्रांजेक्शन रिकॉर्ड और चैट से दोनों के बीच का संपर्क स्पष्ट हुआ। पुलिस ने तकनीकी जांच से असम का ट्रक मुरथल टोल प्लाजा (सोनीपत) के पास से बरामद किया और चालक मोहम्मद इरशाद से पूछताछ की, जिसने बताया कि उसे केवल माल लाने के निर्देश दिए गए थे। बाद में पुलिस ने असम जाकर किशोर को भी गिरफ्तार कर लिया। वहीं किशोर ने पूछताछ में खुलासा किया कि यह सारा माल दिल्ली निवासी वसीम उर्फ बादशाह को भेजा गया था। पुलिस ने वसीम को नया बांस इलाके से गिरफ्तार किया। उसने कबूला कि वह प्रति कार्टन 5,000 से 8,000 तक कमाता था। उसके मोबाइल से मैसेंजर चैट, पेमेंट डिटेल और वॉयस नोट बरामद हुए हैं। किशोर ने बताया कि प्रतिबंधित सिगरेट की खेप म्यांमार सीमा से सटे मणिपुर के मोरेह कस्बे से आती है।

इस्लामाबाद पुलिस ने सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल प्रमुख साहिबजादा मोहम्मद हामिद रजा को गिरफ्तार किया

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रमुख नेता और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) प्रमुख साहिबजादा मोहम्मद हामिद रजा को इस्लामाबाद पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

डान अखबार की रिपोर्ट के अनुसार एसआईसी के कार्यवाहक अध्यक्ष और उनके भाई साहिबजादा हसन रजा ने शुक्रवार को फैसलाबाद अदालत के बाहर मीडिया से बातचीत में अपने भाई की गिरफ्तारी की पुष्टि की। हामिद रजा को इसी अदालत में पेश किया गया। उन्होंने कहा कि एसआईसी प्रमुख ने अदालत के गिरफ्तारी आदेश पर फैसलाबाद की आतंकवाद-रोधी अदालत (एटीसी) के समक्ष पेश होने जा रहे थे। इस्लामाबाद पुलिस ने उन्हें इस्लामाबाद बाईपास रोड पर एक धरनास्थल के पास से गिरफ्तार कर लिया।

इस गिरफ्तारी पर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) नेता उमर अयूब ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा कि रजा को कल देर रात इस्लामाबाद से अगवा कर लिया गया। वह हमारे सहयोगी हैं। उन्होंने रजा की गिरफ्तारी की निंदा की है। पीटीआई नेता ने कहा कि साहिबजादा हामिद रजा पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीबी हैं।

रजा की याचिका दो दिन पहले पेशावर उच्च न्यायालय ने खारिज कर दी थी। उन्होंने एक मामले में जमानत मांगी थी। इस मामले में उन्हें फैसलाबाद स्थित एक एटीसी ने दोषी ठहराया था। बाद में पाकिस्तान चुनाव आयोग ने उन्हें नेशनल असेंबली के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया था। 31 जुलाई को दोष सिद्धि की घोषणा की गई और रजा सहित अन्य पीटीआई नेताओं को नौ मई के दंगों में शामिल होने के लिए 10 साल कैद की सजा सुनाई गई।

दंगों के बाद पीटीआई नेताओं सहित हजारों प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया। बाद में, चुनाव आयोग ने पीटीआई से उसका बल्ला चुनाव चिह्न छीन लिया। इस वजह पीटीआई नेताओं को 2024 का चुनाव स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। इसके बाद पीटीआई ने आरक्षित सीटें पाने के लिए एसआईसी के साथ गठबंधन किया। यह सीटें पार्टी के आधार पर आवंटित की जाती हैं।

दो विमान हादसों से जुड़े बोइंग 737 मैक्स केस में राहत अमेरिकी अदालत ने आपराधिक मामला किया खत्म

वॉशिंगटन, एजेंसी। दो घातक हवाई हादसों से जुड़े बोइंग 737 मैक्स विमान मामले में अमेरिकी अदालत ने गुरुवार को विमान निर्माता कंपनी बोइंग के खिलाफ दर्ज आपराधिक साजिश का मामला खत्म कर दिया। टेक्सास की एक संघीय अदालत के जज रीड ओ'कॉनर ने यह फैसला देते हुए कहा कि कंपनी को अपने समझौते के तहत 1.1 अरब डॉलर का जुर्माना, मुआवजा और सुरक्षा सुधारों पर निवेश करना होगा।

यह मामला 2018 और 2019 में हुई दो घातक दुर्घटनाओं से जुड़ा है, जिनमें 346 लोगों की जान गई थी। ये हादसे क्रमशः इंडोनेशिया और इथियोपिया में हुए थे, जब विमान टेकऑफ के तुरंत बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। जांच में सामने आया कि बोइंग ने अपने फ्लाइट-कंट्रोल सिस्टम के बारे में अमेरिकी नियामकों को गलत जानकारी दी थी, जो दोनों हादसों की बड़ी वजह बना।

सितंबर में हुई सुनवाई के दौरान कई पीड़ित परिवारों ने अदालत से अपील की थी कि इस समझौते को खारिज कर बोइंग पर सख्त कार्रवाई की जाए। कई परिजनों ने यूरोप और अफ्रीका से टेक्सास पहुंचकर अपनी भावनाएं रखीं। फ्रांस से आई कैथरीन बर्थेट ने कहा बोइंग को अपनी आजादी खरीदने मत दीजिए। मेरी बेटी कैमीली की जान गई, हमें न्याय चाहिए।

अमेरिकी न्याय विभाग ने अदालत को बताया कि यह समझौता जनता के हित में है और मुकदमे से बेहतर परिणाम देगा। हालांकि करीब 100 परिवारों में से 110 पीड़ितों के परिजन इस समझौते के पक्ष में या इसके खिलाफ नहीं थे।

बोइंग 737 मैक्स को 2017 में पहली बार उड़ान के लिए मंजूरी मिली थी, लेकिन इथियोपिया हादसे के बाद इन विमानों को 20 महीनों के लिए पूरी दुनिया में ग्राउंड कर दिया गया था। बाद में बोइंग ने सॉफ्टवेयर सिस्टम को फिर से डिज़ाइन किया और सुरक्षा मानकों में बदलाव किए। इस मामले ने यह बड़ा सवाल खड़ा किया है कि क्या बड़ी कंपनियां भारी मुआवजा देकर अपनी जिम्मेदारी से बच सकती हैं, जबकि सैकड़ों परिवार अब भी अपने खोए हुए प्रियजनों के लिए न्याय की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वां में सात विद्रोही और एक पुलिस अधिकारी की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में खैबर पख्तूनख्वां प्रांत के बन्नू शहर में पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के एक संयुक्त अभियान में सात विद्रोही मारे गए हैं। इस दौरान एक पुलिस अधिकारी के मारे जाने की भी खबर है।

जानकारी के अनुसार, बन्नू के छावनी पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मैमंदखेल इलाके में पुलिस और विद्राही लड़ाकों के बीच गुरूवार को हुई एक भीषण मुठभेड़ में सात विद्रोही मारे गए । इस दौरान एक पुलिस अधिकारी भी मारा गया ।

बन्नू के जिला पुलिस अधिकारी (डीपीओ) के अनुसार, विद्रोहियों ने सुरक्षा बलों पर घात लगाकर हमला किया, जिसके बाद त्वरित जवाबी कार्रवाई में सभी सात विद्रोही मारे गए।

मुठभेड़ के दौरान, आबिद खान नामक एक पुलिस अधिकारी भी मारा गया , जबकि दस अन्य पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके अलावा, गोलीबारी की चपेट में आने से चार नागरिक भी घायल हुए हैं। अभियान के बाद कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने समूचे क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी है और विद्रोहियों के मददगारों का पता लगाने के लिए तलाशी अभियान जारी है।

जर्मन जनरल का दावा

रूस कभी भी नाटो देशो पर सीमित हमला कर सकता है

बर्लिन, एजेंसी। जर्मनी के एक वरिष्ठ सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर सोल्फ़ैंक ने दावा किया है कि रूस उत्तर अटलांटिक संधि संगठन(नाटो) के सदस्य देशों पर कभी भी एक सीमित हमला कर सकता है, लेकिन ऐसा करने का उसका फैसला पश्चिमी देशों के व्यवहार पर निर्भर करेगा।

जनरल सोल्फ़ैंक ने एक मीडिया संगठन को गुरूवार को दिए साक्षात्कार में कहा, यदि आप रूस की वर्तमान क्षमताओं और युद्ध शक्ति पर नजर डालें, तो रूस कल से ही नाटो क्षेत्र पर छोटे स्तर का हमला शुरू कर सकता है। वह फिलहाल यूक्रेन में उलझा है, इसीलिए वह एक छोटा, त्वरित, क्षेत्रीय रूप से सीमित हमला ही करेगा।

सोल्फ़ैंक, जर्मनी के संयुक्त संचालन कमांड का नेतृत्व करते हैं और रक्षा योजना की देखरेख करते हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यदि रूस हथियार जुटाने के प्रयासों को जारी रखता है, तो वह 2029 तक 32 सदस्यीय नाटो गठबंधन पर बड़े पैमाने पर हमला करने की क्षमता विकसित कर सकता है। हालांकि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आक्रामक इरादों से इनकार करते हुए कहते हैं कि रूस का 2022 का यूक्रेन पर आक्रमण करने का उद्देश्य नाटो की विस्तारवादी महत्वाकांक्षाओं से रक्षा करना था। सोल्फ़ैंक ने कहा कि यूक्रेन में कुछ झटकों के बावजूद, रूस की वायु सेना में पर्याप्त युद्ध शक्ति बरकरार है, और उसके परमाणु तथा मिसाइल बल मजबूत हैं। उन्होंने कहा,

रूस की थल सेना को नुकसान हो रहा है, लेकिन रूस कहता है कि वह अपनी कुल सैनिक संख्या को 15 लाख सैनिकों तक बढ़ाने का लक्ष्य रखता है और उसके पास इतने मुख्य युद्धक टैंक हैं कि कल से ही नाटों देशों पर सीमित हमला हो सकता है।

सोल्फ़ैंक ने कहा कि रूस का नाटो पर हमला करने का फैसला तीन कारकों पर निर्भर करेगा जो रूस की सैन्य शक्ति, सैन्य रिकॉर्ड और नेतृत्व हैं। उन्होंने कहा, ये तीन कारक मुझे इस निष्कर्ष पर ले जाते हैं कि रूसी हमला संभव है। क्या यह होगा या नहीं, यह काफी हद तक हमारे अपने व्यवहार पर निर्भर करता है। सोल्फ़ैंक ने 2024 में संयुक्त संचालन कमांड की स्थापना के बाद से ही इसका नेतृत्व किया है। वर्तमान पदभार संभालने से पहले, सोल्फ़ैंक ने जर्मनी के दक्षिणी शहर उल्म में नाटो की लॉजिस्टिक्स कमांड जेसेक का संचालन किया था।

तूफान से वियतनाम में भी तबाही, अब तक पांच की मौत; फिलीपींस में 188+ लोग गंवा चुके हैं जान

वियतनाम, एजेंसी। तूफान कल्मेगी ने वियतनाम और फिलीपींस में भीषण तबाही मचाई है। वियतनाम में कम से कम पांच लोगों की मौत हुई है, जबकि रिहायशी इलाकों में भारी नुकसान हुआ है। बता दें कि यह तूफान कुछ दिन पहले ही फिलीपींस में व्यापक तबाही मचाकर आगे बढ़ा था। फिलीपींस में इस तूफान की चपेट में आने से 188 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 135 लोग लापता हैं।

खबरों के मुताबिक तूफान कल्मेगी के कारण वियतनाम के डाक लक और जिया लाई प्रांतों में सबसे ज्यादा जनहानि हुई है। तीन लोग डाक लक में और दो लोग जिया लाई में मारे गए हैं। क्वांग नगाई में तीन लोग लापता हैं। तूफान की चपेट में आने वाले 52 घर पूरी तरह नष्ट हो गए, जबकि लगभग 2,600 अन्य घरों को भी भारी नुकसान पहुंचा। इनमें से 2,400 से अधिक घर जिया लाई में हैं। तूफान के कारण बिजली सप्लाई पर भी असर पड़ा है। विद्युत सप्लाई बाधित होने से 16 लाख से अधिक परिवार प्रभावित हुए हैं।

सांसद मुख्य आतिथ्य में 29वां जिला स्तरीय युवा उत्सव संपन्न

युवाओं की प्रतिभा, ऊर्जा और संस्कृति का हुआ भव्य संगम

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। आयोजित 29वां जिला स्तरीय युवा उत्सव का समापन समारोह शुक्रवार को सांसद डॉ. राजेश मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में बड़े हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। उत्सव में जिले भर से आए प्रतिभाशाली युवाओं ने अपनी कला, संस्कृति और प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। सांसद डॉ. मिश्रा ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि भारत का भविष्य युवाओं के हाथों में है।

जब युवा अपनी ऊर्जा को समाज के कल्याण और राष्ट्र निर्माण में लगाते हैं, तो भारत आत्मनिर्भरता और विकास की नई ऊँचाइयों को छूता है। उन्होंने जिला स्तर पर आयोजित प्रतियोगिताओं की सराहना करते हुए कहा कि सीधी के युवाओं ने हर क्षेत्र में अपनी क्षमता का परिचय दिया है। ऐसी प्रतिभाएँ हमारे देश की अमूल्य पूँजी हैं। सांसद ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 10 हजार रूपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा भी की।

प्रतिभा और संस्कृति का मंच बना युवा उत्सव: कार्यक्रम का आयोजन खेल एवं युवा कल्याण विभाग सीधी द्वारा एसआईटी महाविद्यालय के सभागार में किया गया। इस अवसर पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी मुख्य अतिथि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव अध्यक्ष, और एसआईटी ग्रुप अध्यक्ष रामचरण गुप्ता तथा प्रबंध निदेशक शोभा रेड्डी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन से हुई। एसआईटी पब्लिक स्कूल की छात्राओं ने मंगलाचरण प्रस्तुत कर वातावरण को भक्ति और उमंग से भर दिया।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ने अपने संबोधन में कहा कि युवा उत्सव का उद्देश्य युवाओं में छिपी प्रतिभा को मंच देना और उन्हें राष्ट्र निर्माण की मुख्यधारा से जोड़ना है।

प्रतियोगिताओं में झलकी सृजनशीलता और उत्साह: युवा उत्सव में लगभग 200 प्रतिभागियों ने सात विधाओं – लोकनृत्य, लोकगीत, कविता लेखन, कहानी लेखन, पेंटिंग, विज्ञान प्रदर्शनी और भाषण – में भाग लेकर अपनी उत्कृष्ट कला का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे – विज्ञान प्रदर्शनी में नामदेव प्रथम, पुरुषोत्तम गुप्ता द्वितीय और अदिति शुक्ला तृतीय रहे। भाषण में स्नेहल सिंह चौहान प्रथम, अंकुर सिंह परिहार द्वितीय, श्रुति गुप्ता तृतीय रहीं। कहानी लेखन में कृत तिवारी प्रथम, वीरेंद्र जायसवाल द्वितीय और अविनाश वर्मा तृतीय रहे।

वंदे मातरम् 150वां स्मरणोत्सव - सांदीपनि विद्यालय कुसमी में देशभक्ति से ओतप्रोत आयोजन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। वंदे मातरम् के 150वें स्मरणोत्सव के अवसर पर सांदीपनि विद्यालय कुसमी में भव्य समारोह का आयोजन हुआ। इस अवसर पर वंदे मातरम् के सभी अंतरों का सामूहिक गायन किया गया, जिससे पूरा परिसर राष्ट्रभक्ति की भावना से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम में विधायक कुंवर सिंह टेकाम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि वंदे मातरम् केवल एक गीत नहीं, यह हमारी आत्मा की आवाज़ है, जो हमें माँ भारती की सेवा के लिए समर्पित होने की प्रेरणा देती है। जब-जब इस गीत की गूंज उठती है, देशभक्ति की भावना हर भारतीय के हृदय में जाग उठती है।

उन्होंने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि युवा ही राष्ट्र की असली शक्ति हैं। यदि युवा अपने जीवन में अनुशासन, परिश्रम और मातृभूमि के प्रति समर्पण को अपना लें, तो भारत विश्व का मार्गदर्शक बन सकता है। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य हीराबाई सिंह, सरपंच चेतना सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी ज्ञानेंद्र मिश्रा, तहसीलदार नारायण सिंह, एसडीओ मनरेगा बी.पी. कोरी, बीआरसीसी कुसमी अंगिरा प्रसाद द्विवेदी, प्राचार्य पी.के. पांडेय, थाना प्रभारी अरुणा द्विवेदी, प्रधानाचार्य मनमोहन उपाध्याय, समिति प्रबंधक संतोष त्रिपाठी, एसएसएसवीओ जयराज सिंह, जनपद कुसमी के अधिकारी, बीसी पेसा सूर्य प्रताप सिंह, पुलिस विभाग का स्टाफ एवं विद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

हड़बड़ो ग्राम पंचायत में दिव्यांगजन शिविर सम्पन्न - 18 पंजीकरण, 4 प्रमाणपत्र जारी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत धनंजय मिश्रा के मार्गदर्शन में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा दिव्यांगजनों की पहचान और प्रमाणपत्र जारी करने हेतु संचालित अभियान के अंतर्गत आज ग्राम पंचायत हड़बड़ो जनपद सीधी में चिकित्सा बोर्ड शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में कुल 18 दिव्यांगजन पंजीकृत हुए तथा परीक्षण उपरांत 4 लाभार्थियों को दिव्यांगता प्रमाणपत्र (यूडीआईडी कार्ड) जारी किए गए। शिविर में सामाजिक सुरक्षा अधिकारी सूरज सिंह उपस्थित रहे और उन्होंने दिव्यांगजन कल्याण योजनाओं की जानकारी प्रदान की।

कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी में प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र सीधी ने बताया कि केन्द्र में 03 नवम्बर से 07 नवम्बर तक प्राकृतिक खेती पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में सीधी जिले के पाँच विकासखण्डों से आईं कुल 40 कृषि सखियों ने सहभागिता की। प्रशिक्षण के दौरान प्राकृतिक खेती के विभिन्न घटकों जैसे जीवामृत, घन-जीवामृत, सप्तपर्णी अर्क, नीमास्त्र आदि की निर्माण विधियों का प्रदर्शन एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। साथ ही नरवाई प्रबंधन, पलवार, केंचुआ खाद, नाडेप कम्पोस्ट, जैविक खेती, फलों एवं सब्जियों की उन्नत तकनीक, तथा धान्य फसलों की कृषि कार्यशाला पर विस्तृत चर्चा की गई। कार्यक्रम में वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, वैज्ञानिक डॉ. शैलेन्द्र सिंह गौतम, डॉ. अलका सिंह एवं सुश्री अमृता तिवारी द्वारा विषयवार प्रशिक्षण सत्र संचालित किए गए। प्रशिक्षण में उप संचालक कृषि कल्याण एवं कृषि विकास विभाग डॉ. राजेश सिंह चौहान ने भी सक्रिय सहभागिता प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान कृषि सखियों ने अपने अनुभव साझा किए, प्रश्नोत्तर सत्र में सक्रिय भाग लिया तथा ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रत्येक ग्राम स्तर पर आयोजित करने का अनुरोध किया। कार्यक्रम में किसानों की समस्याओं एवं उनके समाधान पर आधारित फिल्म माटी का भी अवलोकन कराया गया।

एनटीपीसी ठेकेदार ने कमीशन न देने पर अटेंडर को निकाला, पीड़ित युवक न्याय के लिए भटकने को मजबूर

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में एनटीपीसी के एक ठेकेदार पर गंभीर आरोप लगे हैं। सीधी जिले के भावेश कुशवाहा नामक युवक ने दावा किया है कि उसे कमीशन न देने के कारण नौकरी से निकाल दिया गया। पीड़ित 2021 से एनटीपीसी अस्पताल में अटेंडर के तौर पर कार्यरत था, जिसे 11 अगस्त 2025 को काम से हटा दिया गया। भावेश कुशवाहा का आरोप है कि अस्पताल में तैनात सुपरवाइजर कमलेश दुबे उससे हर महीने वेतन में से 3 हजार रुपये कमीशन के तौर पर मांगते थे। कई महीनों तक दबाव में पैसे देने के बाद, जब उसने यह राशि देने से इनकार किया, तो उसे नौकरी से निकाल दिया गया। पीड़ित ने बताया कि

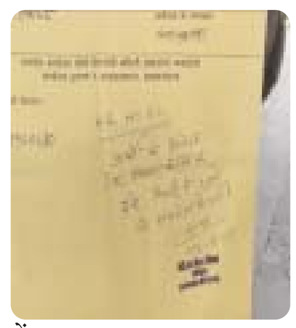

वह लंबे समय से एनटीपीसी परिसर में सेवा दे रहा था और उसके काम को लेकर कभी कोई शिकायत नहीं आई थी। उसने सांसद के लेटर पैड पर भी नौकरी बहाल करने के लिए अनुशंसा पत्र दिया, लेकिन उस पर कोई सुनवाई नहीं हुई। भावेश कुशवाहा ने अपनी आपबीती सुनाते हुए कहा, 'मैं 2021 से एनटीपीसी अस्पताल में काम कर रहा था।

लेकिन जब कमीशन देने से इनकार किया तो 11 अगस्त को मुझे बाहर कर दिया गया। मेरा परिवार भूखा मरने की स्थिति में आ गया है, फिर भी मेरी बात कोई नहीं सुन रहा है।' पीड़ित का आरोप है कि ठेकेदार और सुपरवाइजर दोनों मिलकर कर्मचारियों पर हर महीने पैसे देने का दबाव बनाते हैं। इस पूरे मामले पर दैनिक भास्कर ने एनटीपीसी के पब्लिक रिलेशन ऑफिसर (पीआरओ) शंकर सुब्रमण्यम से बात की। उन्होंने मामले की जानकारी होने से इनकार करते हुए कहा कि यह शिकायत अब तक प्रबंधन के संज्ञान में नहीं लाई गई थी। पीआरओ ने आश्वासन दिया कि वह जल्द ही इस मामले पर संबंधित अधिकारियों और प्रबंधन से चर्चा करेंगे। भावेश कुशवाहा फिलहाल न्याय और नौकरी की बहाली के लिए अधिकारियों के चक्कर लगाने को मजबूर हैं। वहीं, कर्मचारी संगठन भी इस तरह की शिकायतों को गंभीरता से लेने की मांग कर रहे हैं, ताकि ठेकेदारों द्वारा कथित वसूली और शोषण पर रोक लग सके।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत सीधी जिले के लिए कार्यक्रम घोषित

रामेश्वरम-मदुरई तीर्थ यात्रा हेतु 179 यात्रियों का होगा चयन

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत सीधी जिले के लिए कार्यक्रम प्राप्त हुआ है। जारी कार्यक्रम के अनुसार इस बार तीर्थ स्थल रामेश्वरम-मदुरई निर्धारित किया गया है, जिसमें कुल 179 यात्रियों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 09 नवम्बर, शासन को आवेदन प्रेषित करने की तिथि 16 नवम्बर, तथा यात्रा का प्रस्थान दिवस 23 नवम्बर निर्धारित किया गया है। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपने-अपने क्षेत्रांतर्गत पात्र आवेदकों से निर्धारित समय सीमा में आवेदन पत्र प्राप्त कर उन्हें जिला सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी), सीधी को ऑनलाइन उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए। आवेदन पत्र के साथ तीर्थ यात्री का आधार कार्ड या मतदाता पहचान पत्र की छायाप्रति अनिवार्य रूप से संलग्न की जाए। साथ ही प्रत्येक तीर्थ यात्री से कहा गया है कि वे अपनी पहचान पत्र की एक प्रति यात्रा के दौरान अपने साथ रखें।

कॉलेज के सामने बाइक हादस, दो युवक गंभीर रूप से घायल; अस्पताल में एडमिट

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले में शुक्रवार सुबह 9 बजे एक सड़क हादसा हो गया। मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत शासकीय कॉलेज के सामने एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे जा घुसी। इस दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान मड़वास निवासी शोभित केवट (25 वर्ष) और कृष्ण कुमार केवट (29 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों युवक अपनी बाइक से मड़वास से मझौली की ओर आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी राहगीर संतोष यादव ने बताया कि बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। कॉलेज के सामने अचानक कुछ छात्राएं सड़क पार करने लगीं। उन्हें बचाने के प्रयास में बाइक बेकाबू होकर पलट गई। दुर्घटना में दोनों युवकों के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की और डायल-112 को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बिना देरी किए घायलों को मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। टीम ने बताया कि दोनों की स्थिति गंभीर है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आगे रीवा रेफर किया जा सकता है।

दोनों को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल: मझौली थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को भेजा गया था। घायलों को अस्पताल में एडमिट करा दिया गया है और दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है।

ंपी स्किन डिजीज से बचाव के लिए पशुपालक रहें सतर्क

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। उपसंचालक पशुपालन एवं डेयरी विभाग सीधी ने जानकारी देकर बताया कि लंपी स्किन डिजीज एक वायरस जनित रोग है, जो मुख्यत: सर्दियों के मौसम (अक्टूबर से फरवरी) के बीच गौवंश एवं भैंसवंशीय पशुओं को प्रभावित करता है। उन्होंने बताया कि इस रोग से पीड़ित पशुओं को तेज बुखार आता है, वे भोजन करना बंद कर देते हैं, तथा कुछ समय बाद उनके शरीर पर गांठ जैसी सूजन या उभार दिखाई देने लगते हैं। सामान्य परिस्थितियों में यदि पशु का नियमित उपचार कराया जाए तो यह बीमारी प्राणघातक नहीं होती, और पशु 3 से 5 दिनों में स्वस्थ हो जाता है। नवजात पशुओं जैसे बछड़ा, बछिया, पड़वा एवं पड़िया में इस बीमारी की तीव्रता अधिक होती है तथा मृत्युदर भी अपेक्षाकृत ज्यादा पाई गई है।

मिट्टी की परत के नीचे रेत छुपाकर हो रहा परिवहन, खनिज विभाग ने जब्त की 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली; ड्राइवर-मालिक पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडिटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में अवैध रेत परिवहन का एक नया तरीका सामने आया है। खनिज विभाग ने बुधवार को मिट्टी की परत के नीचे रेत छुपाकर ले जाई जा रही तीन ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया। विभाग के अधिकारी भी इस चालाकी को देखकर हैरान रह गए। खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल के नेतृत्व में टीम ने ताला इलाके में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान मुरम से भरी दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी गईं, जिनके पास परिवहन से संबंधित कोई दस्तावेज नहीं थे। प्राथमिक जांच में पुष्टि हुई कि चालक बिना अनुमति के अवैध खनिज का परिवहन कर रहे थे। इसके बाद गनियारी क्षेत्र में एक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को रोका गया। यह वाहन ऊपर से मिट्टी से भरा दिख रहा था। हालांकि, जब खनिज विभाग की टीम ने मिट्टी हटाई, तो पता चला कि ऊपरी पतली परत के नीचे पूरी ट्रॉली रेत से भरी हुई थी। रेत को प्लास्टिक की मोटी पॉलिथीन से ढककर ऊपर मिट्टी डाली गई थी, ताकि अवैध परिवहन का पता न चल सके। खनिज अधिकारी आकांक्षा पटेल ने बताया कि विभाग को लगातार ऐसी शिकायतें मिल रही थीं कि मिट्टी या अन्य खनिजों की आड़ में रेत का अवैध परिवहन किया जा रहा है। इन शिकायतों की पुष्टि के लिए यह अभियान चलाया गया। पकड़ी गई तीनों ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को बैढ़न थाने में खड़ा कराया गया है और संबंधित वाहन मालिकों व चालकों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है। आकांक्षा पटेल ने यह भी कहा कि अवैध खनन और परिवहन पर नियंत्रण के लिए विभाग लगातार निगरानी बढ़ा रहा है और भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे।

सूरत से लौटा युवक, मिलते ही बेहोश हुई मां,बोला- 8 घंटे तक बेल्ट-चाकू से टॉर्चर किया; सांसद बोले- अब क्षेत्र में ही रोजगार देंगे?

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। चाकू की नोक पर प्रताड़ित किए गए सीधी जिले के ग्राम नकझर खुर्द निवासी युवक शुक्रवार को अपने घर पहुंचा। इस दौरान जब वह अपने गांव पहुंचा और अपनी मां से मिला, तो दोनों फूट-फूटकर रो पड़े। मां-बेटे ने एक-दूसरे को गले लगाया इसके बाद कुछ ही देर में भावनाओं से अभिभूत मां बेहोश हो गईं। करीब 15 मिनट बाद जब उन्हें होश आया। वहीं सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने परिवार से मुलाकात कर युवक को नौकरी देने की बात कही।

युवक बोला- 8 घंटे तक बेल्ट-चाकू से टॉर्चर किया: घर लौटने के बाद सुधीर पांडे ने बताया कि उसके साथ सूरत में अमानवीय व्यवहार किया गया। उसने कहा- मुझे 8 घंटे तक बेल्ट और चाकू से मारा गया। कई जगह काटा गया और जबरदस्ती माफी मंगवाई गई। बार-बार कहा गया अब सूरत मत आना। सुधीर ने बताया कि सही समय पर मकान मालिक ने उसकी मदद की। उन्होंने ही उसे ट्रेन में बैठाकर घर भेजा। एक साथी का फोन लेकर सुधीर ने अपने परिवार से संपर्क किया। इसके बाद बहरी थाना प्रभारी राजेश पांडे और सीधी सांसद डॉ. राजेश मिश्रा लगातार संपर्क में रहे और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित की। गांव आने के बाद अब भी लोग सुधीर से मिलने पहुंच रहे हैं और उसके साहस की सराहना कर रहे हैं।

वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस: घटना का खुलासा तब हुआ जब 4 नवंबर की रात सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ। वीडियो में 'भोला भाई' नामक युवक चाकू की नोक पर सुधीर को धमकाते हुए उससे माफी मंगवा रहा था। वीडियो सामने आने के बाद परिवार ने 6 नवंबर को बहरी थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तत्काल जांच शुरू कर दी।

ट्रक ने बाइक को मारी टक्कर, युवक गंभीर घायल; सांसद ने बेटी के साथ मिलकर की सर्जरी

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। नेबुहा-लोबाई मार्ग पर एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में ग्राम बहेरा ढोल निवासी 20 वर्षीय राम पांडेय गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलने पर सीधी सांसद डॉ. मिश्रा जिला अस्पताल पहुंचे। घायल युवक को गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए डॉक्टर उसे रीवा रेफर करने की तैयारी कर रहे थे। हालांकि, सांसद डॉ. मिश्रा ने युवक की मौके पर ही इलाज की जिम्मेदारी ली।

बेटी के साथ मिलकर की युवक की सर्जरी: अस्पताल में सांसद के साथ उनकी बेटी डॉ. रंजना शुक्ला मिश्रा भी मौजूद थीं, जो एक डॉक्टर हैं और नर्सिंग होम में काम करती हैं। पिता-बेटी ने मिलकर पहले प्राथमिक उपचार दिया। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्होंने स्वयं सर्जरी करने का निर्णय लिया। युवक को लगातार रक्तस्राव और आंतरिक चोटें आई थीं। डॉ. राजेश मिश्रा और उनकी बेटी ने संयुक्त रूप से ऑपरेशन किया।

सांसद बोले-डॉक्टर होने के नाते यह हमारी जिम्मेदारी: सांसद डॉ. मिश्रा ने बताया कि उन्हें एक कार्यकर्ता ने फोन पर युवक की नाजुक हालत की सूचना दी थी।

हर नागरिक तक न्याय की पहुँच - कानूनी जागरूकता के महापर्व 'न्यायोत्सव 2025' की शुरुआत 9 नवंबर से

न्यायोत्सव का उद्देश्य समाज के प्रत्येक नागरिक तक न्याय और कानूनी सहायता की पहुँच सुनिश्चित करना है: सचिव

मीडिया ऑडिटर, सीधी (निप्र)। कानूनी जागरूकता को जन-आंदोलन का रूप देने की दिशा में न्यायोत्सव 2025 का आयोजन सीधी जिले में 9 नवम्बर से प्रारंभ होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव मुकेश शिवहरे ने आयोजित पत्रकार वार्ता में बताया कि 9 से 14 नवम्बर तक जिलेभर में विविध कार्यक्रमों के माध्यम से न्याय और अधिकारों के प्रति नागरिकों को जागरूक किया जाएगा।

न्याय के लिए दौड़ - अधिकारों की ओर कदम: उद्घाटन दिवस 9 नवम्बर को न्याय के लिए दौड़ शीर्षक से मैराथन और कानूनी प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम सुबह 9 बजे जिला न्यायालय परिसर से प्रारंभ होकर गांधी चौक होते हुए पुनः न्यायालय परिसर में सम्पन्न होगा। प्रदर्शनी में अपने अधिकार जानें विषय पर आकर्षक पोस्टर और जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। मैराथन में प्रथम स्थान में आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया जाएगा।

कैदियों और विद्यार्थियों में जागरूकता: 10 नवम्बर को जिला जेल में कैदियों के लिए कानूनी जागरूकता शिविर आयोजित होगा। इस दौरान उन्हें उनके अधिकारों, पुनर्वास प्रक्रियाओं और निरूशुल्क कानूनी सहायता सेवाओं की जानकारी दी जाएगी। 11 नवम्बर को विश्व शिक्षा दिवस के अवसर पर विद्यालयों और महाविद्यालयों में विद्यार्थियों हेतु विशेष वार्ताएँ, प्रतियोगिताएँ और संवादात्मक सत्र आयोजित किए जाएंगे। बाल अधिकार, पॉक्सो अधिनियम, सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा पर विशेष फोकस रहेगा।

ग्राम स्तर तक न्याय की पहुँच: 12 नवम्बर को ग्रामीण एवं श्रमिक क्षेत्रों में कानूनी सहायता शिविर लगाए जाएंगे, जिनमें घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, संपत्ति अधिकार और सरकारी सेवाओं से संबंधित जानकारी दी जाएगी। 13 नवम्बर को बाल देखभाल संस्थानों और किशोर गृहों में निरीक्षण और बच्चों के अधिकारों पर विशेष शिविर आयोजित किए जाएंगे।

बाल दिवस पर समापन - बच्चों के अधिकारों पर विशेष सत्र: 14 नवम्बर को बाल दिवस पर चित्रकला, निबंध, प्रश्नोत्तरी, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से बच्चों को उनके अधिकारों और सुरक्षा कानूनों से अवगत कराया जाएगा। इसी दिन न्यायजागरूकता बाइक/साइकिल रैली के साथ न्यायोत्सव का समापन होगा, जिसमें पैरालीगल वालंटियर्स, अधिवक्ता, एनजीओ और अन्य हितधारक भाग लेंगे। सचिव मुकेश शिवहरे ने बताया कि न्यायोत्सव का उद्देश्य समाज के प्रत्येक नागरिक तक न्याय और कानूनी सहायता की पहुँच सुनिश्चित करना है, ताकि हर व्यक्ति अपने अधिकारों के प्रति सजग और सशक्त बन सके।

इस अवसर पर जिला विधिक सहायता अधिकारी मनीष कौशिक, जिला जनसंपर्क अधिकारी मुकेश मिश्रा सहित प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

नई नजर में पुलिस

संपादकीय

हिमाचल में पुलिस विभाग की नजर में नया सुरमा डाला जा रहा है और यह भी कि कानून व्यवस्था की मिट्टी को अब माटी के ही कई लाल देखेंगे। सुखविंदर सिंह सुक्खू सरकार का यहां एक बड़ा स्थानांतरण अभियान ही नहीं, पैगाम भी है और इसी के तहत 77 पुलिस अधिकारी, नए अवतरण में कानून व्यवस्था देखेंगे। पुलिस के जिलों में छह एचपीएस अधिकारियों की कमान में चलने का एक खास संदेश भी है और यह भी कि भूमिपुत्रों को चिन्हित कार्यों के अलावा भी कुछ श्रेष्ठ कार्य करने का अवसर दिया जा रहा है। वर्दी के भीतर हिमाचली जज्बात की ऐसी परख पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल ने भी की थी, जब कुछ जिलों का प्रशासन धरती पुत्रों को सौंपा गया था। ऐसे में अगली उम्मीद में कुछ हिमाचली अधिकारियों को जिला प्रशासन के मंसूबों से जोड़कर मिलेगी। जहां धरती के काम तीव्रता से करने हों, वहां हिमाचली दिन और रात एक करने का अर्थ प्रदेश के चुनिंदा अधिकारियों में मिला है। हालांकि इसे हम एक प्राथमिकता के साथ देख सकते हैं, वरना सचिवालय के दिग्गजों में योजनाओं का कुनबा वरिष्ठ आईएएस अधिकारी ही बनाते आए हैं। पुलिस व्यवस्था में कई सुधार अभिलषित हैं और नित नई चुनौतियों के सामने नए प्रयोग व नए समाधान चाहिएं। इसी परिप्रेक्ष्य में बीबीएन के बाद नूरपुर और अब देहरा को अलग से पुलिस जिला बना दिया गया है। यह कानून व्यवस्था की दीवार खड़ा करने का अभिप्राय हो सकता है, जहां चिट्टे के मनहूस कदमों, आर्थिक व साइबर अपराधों तथा पर्यटन की शक्ल में घुसते अपराध को रोकने के लिए अलग तरह के तंत्र की जरूरत बढ़ जाती है। सतर्कता में विभाजित कई दायित्व और नए युग की परिभाषा में अपराधियों की शिनाख्त के लिए पुलिस विभाग की एड़ियां दुरुस्त रखनी पड़ती हैं। पुलिस महकमा हैडक्वार्टर के रौब में जितना शिमला में है, उतना पूरे प्रदेश में भी सतर्क होना चाहिए।

बड़े अधिकारी रेलवे को शिमला से देखें या ऊना से बढ़ती ट्रेन में। ड्रग्स कंट्रोल के सारे चिट्ठे शिमला में खुलेंगे या बार्डर एरिया पर कमान होनी चाहिए। औद्योगिक नगरियों, बढ़ते यातायात के खबरियों और पर्यटन के रास्ते होने वाली गड़बड़ियों को रोकने के लिए पुलिस का एक नया ढांचा चाहिए। बार्डर की निगरानी में एसपी तो आ गए, लेकिन अब एक सीनियर कमांड के तहत बीबीएन में बार्डर के आईजी को भेजना होगा। प्रदेश में पर्यटन और परिवहन के कुशल संचालन के लिए प्रदेश के कम से कम छह जोन बनाकर इन्हें अलग-अलग रेंज के तहत चलाना होगा। अब शहरी व्यवस्था में अगर सात नगर निगम बन चुके हैं, तो इसी हिसाब से पुलिस आयुक्तालय भी बनाने पड़ेंगे। इसमें दो राय नहीं कि पुलिस के सुपुर्द बढ़ते दायित्व में कई अजीब कार्य भी जुड़ जाते हैं। ऐसे में महकमे का स्वतंत्र और प्रभावी स्वरूप निखारने के लिए बहुत सारे परिवर्तन आवश्यक हैं।

विश्व विजय बनी महिला क्रिकेट टीम, लेकिन पुरुषों जैसी समानता अभी बाकी

बी. डेविड

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने वर्ल्ड कप जीतकर पूरे देश को गर्व से भर दिया है। यह ऐतिहासिक उपलब्धि न केवल खेल के मैदान में, बल्कि सामाजिक बदलाव की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुई है। इस जीत ने भारतीय महिला खिलाड़ियों को नई पहचान दी है, जिससे अब उनसे उम्मीदें और जिम्मेदारियां दोनों बढ़ गई हैं। पिछले दो दशकों में महिला क्रिकेट ने लंबा सफर तय किया है, लेकिन अब भी पुरुष क्रिकेटरों की तुलना में कई क्षेत्रों में असमानता बनी हुई है। अतीत में महिला क्रिकेटरों की स्थिति बेहद कठिन थी। 1980 के दशक तक खिलाड़ियों को मैच फीस नहीं मिलती थी। वे रेलवे में कन्सेशन टिकट पर यात्रा करती थीं, साधारण हाल में ठहराई जाती थीं और मिलने वाले किट्स की गुणवत्ता भी बहुत कम होती थी। उस समय महिला क्रिकेट को वूमन क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ इंडिया चलाती थी, लेकिन 2006 में इसका विलय भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में हुआ। इसके बाद महिला क्रिकेट में सुधार की शुरुआत हुई और आज यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है।

बीसीसीआई ने अक्टूबर 2022 में ऐतिहासिक निर्णय लिया कि अब महिला और पुरुष खिलाड़ियों को समान मैच फीस दी जाएगी। यानी टेस्ट मैच के लिए 15 लाख, वनडे के लिए 6 लाख और टी-20 के लिए 3 लाख का भुगतान दोनों को समान रूप से मिलता है। हालांकि, सालाना कॉन्ट्रैक्ट राशि में अभी भी बड़ा अंतर है। पुरुष क्रिकेटरों को ए प्लस, ए, बी और सी ग्रेड में क्रमशः 7 करोड़, 5 करोड़, 3 करोड़ और 1 करोड़ सालाना मिलते हैं, जबकि महिला खिलाड़ियों के तीन ग्रेड ए, बी और सी में क्रमशः 50 लाख, 30 लाख और 10 लाख की राशि तय है। घरेलू क्रिकेट में भी समान स्ट्रक्चर लागू किया गया है, पर राज्य संघों में अब भी थोड़े अंतर देखे जाते हैं। आईपीएल में जहां पुरुष खिलाड़ियों की सैलरी करोड़ों में होती है, वहीं महिला क्रिकेटरों की वीमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) में आय 10 लाख से 3.4 करोड़ तक सीमित है। यह अंतर अभी भी खेल के आर्थिक पहलू में असमानता को दर्शाता है।

सुविधाओं के मामले में भी पुरुष खिलाड़ियों को बढ़त हासिल है। उन्हें बेहतर नेट्स, अत्याधुनिक ट्रेनिंग, रिहैब सेंटर और विशेषज्ञ फिजियो की सेवाएं नियमित रूप से मिलती हैं। महिला खिलाड़ियों के लिए सपोर्ट स्टाफ की संख्या अभी भी सीमित है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में सुधार जरूर हुआ है अब महिला टीम को बिजनेस क्लास में यात्रा और फाइव स्टार होटलों में ठहरने की सुविधा मिलने लगी है, जो पहले केवल पुरुष टीम तक सीमित थी। चिकित्सा और रिकवरी सुविधाओं में भी पुरुष क्रिकेटर आगे हैं। बड़े टूर्नामेंटों में महिला खिलाड़ियों को समान सुविधा मिल जाती है, लेकिन नियमित रूप से यह स्तर हासिल नहीं हुआ है। वहीं, मानसिक स्वास्थ्य समर्थन में भी असमानता दिखती है। पुरुष खिलाड़ियों के पास मेंटल कोच और काउंसलर स्थायी रूप से उपलब्ध हैं, जबकि महिला टीम के लिए यह सुविधा अभी शुरुआती स्तर पर है।

ब्रांड वैल्यू और स्पॉन्सरशिप के मामले में भी पुरुष खिलाड़ियों का दबदबा कायम है। बीसीसीआई के मीडिया राइट्स और व्यक्तिगत एंडोर्समेंट डील्स में पुरुष खिलाड़ियों की हिस्सेदारी कहीं अधिक है। महिला खिलाड़ियों के पास अब तक सीमित अवसर रहे हैं, हालांकि डब्ल्यूपीएल की शुरुआत और वर्ल्ड कप जीत के बाद यह परिदृश्य धीरे-धीरे बदल सकता है। फंडिंग के स्तर पर असमानता अब भी बनी हुई है। 2023-24 में बीसीसीआई का कुल बजट लगभग 12,000 करोड़ था, जिसमें महिला क्रिकेट के विकास पर खर्च 1 प्रतिशत से भी कम रहा। यह अंतर स्पष्ट करता है कि महिला क्रिकेट को और अधिक संस्थागत सहयोग की आवश्यकता है।

भारतीय महिला टीम की यह जीत सिर्फ एक टूर्नामेंट की सफलता नहीं, बल्कि बदलाव की एक मजबूत दस्तक है। इसने दिखा दिया है कि अगर समान अवसर और संसाधन मिलें, तो भारतीय महिला खिलाड़ी भी विश्व क्रिकेट में किसी से कम नहीं हैं। अब समय आ गया है कि यह जीत न केवल ट्रॉफी बल्कि समानता की दिशा में ठोस नीतिगत बदलाव की भी प्रेरणा बने।

क्रिकेट में ऑपरेशन सिंदूर

> **महिला वनडे विश्व कप के इतिहास में 52 वर्षों के बाद भारतीय लड़कियों ने धैर्य, संयम, आत्मविश्वास और तकनीक के बल पर चमत्कार कर दिखाया। लड़कियों ने प्रत्येक भारतीय का मस्तक और ऊंचा कर दिया। शेरनियों की तरह प्रदर्शन करने वाली विश्व विजेता टीम ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की, इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम की जमकर प्रशंसा की और उनके अनुभव जाने, साथ ही विजेताओं पर इनाम की बौछार की जा रही है, जिससे यह जीत देश की लड़कियों के लिये प्रेरणा स्रोत भी बनेगी, इस सब पर ही चर्चा कर रहे हैं बीपी गौतम...**

बीपी गौतम

भारतीयों का गर्व से चौड़ा हो गया सीना-भारत की महिला क्रिकेट टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने महिला वनडे विश्व कप- 2025 के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुये भारत ने 50 ओवर में सात विकेट पर 298 रन बनाये थे। जवाब में खेलते हुये दक्षिण अफ्रीका की टीम 246 रन ही बना पाई। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान एल वोल्वार्ट की 101 रन की पारी निरर्थक साबित हुई, क्योंकि दीप्ति शर्मा ने चार विकेट लेकर मैच पलट दिया। पहला महिला वनडे विश्व कप 1973 में खेला गया था। 52 वर्षों के महिला वनडे विश्व कप के इतिहास में भारत पहली बार वनडे विश्व कप जीता है, जिससे संपूर्ण देश जीत पर झूम उठा।

स्मृति और शेफाली ने रखी मजबूत नींव-नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर मेजबानों को पहले बल्लेबाजी करने का अवसर दिया था। बारिश के कारण लगभग दो घंटे की देरी से शुरू हुए महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल में स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने शतकीय साझेदारी से भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (45) और शेफाली वर्मा (87) ने पहले विकेट के लिये 104 रनों की शतकीय साझेदारी कर टीम को मजबूत आधार दिया था। शेफाली ने आक्रामक अंदाज में सात चौकों और दो छक्कों की मदद से तेज 87 रन बनाये थे, जबकि मंधाना ने धैर्य पूर्वक खेलते हुये 58 गेंदों में आठ चौके जड़े, इस मजबूत शुरुआत को मध्यक्रम संभाल नहीं सका। जेमिमा रॉड्रिग्स (24), हरमनप्रीत कौर (20) और अमनजोत कौर (12) बड़ी पारी नहीं खेल सकीं, जिससे जिससे बड़ा स्कोर बनाने का लक्ष्य लेकर उतरी टीम को सात विकेट पर 298 रनों से ही संतोष करना पड़ा। मैच के अंत में दीप्ति शर्मा (58) और ऋचा घोष (34) ने तेज बल्लेबाजी कर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। दीप्ति ने वनडे कैरियर का 18वां अर्धशतक पूरा किया और अंत तक टिकी रहीं।

दूसरा सबसे बड़ा लक्ष्य है 298-भारतीय टीम का मध्य क्रम सही से खेल पाता तो, स्कोर और बड़ा होता लेकिन, 298 का लक्ष्य भी छोटा नहीं था, यह महिला विश्व कप फाइनल इतिहास का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है, इससे पहले 2022 में ऑस्ट्रेलिया का इंग्लैंड के विरुद्ध 356/5 का स्कोर है, जो अब तक का सर्वोच्च स्कोर है, इस सूची में तीसरे स्थान पर 2022 के फाइनल में इंग्लैंड का 285 रन का स्कोर है, जो ऑस्ट्रेलिया के विरुद्ध बनाया गया था, वहीं चौथे स्थान पर 2013 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया का वेस्टइंडीज के विरुद्ध 259/7 का स्कोर है।

टीम में थीं यह लड़कियांभारतीय महिला टीम में शेफाली वर्मा, स्मृति मंधाना, जेमिमा रॉड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, राधा यादव, क्रांति गौड़, श्री चरणी, रेणुका सिंह ठाकुर, स्नेह राणा, हरलीन देयोल, अरुंधति रेड्डी, उमा छेत्री थीं, वहीं दक्षिण अफ्रीका महिला टीम में लौरा वोल्वार्ट (कप्तान), ताजमिन ब्रिट्स, एनेके बॉश, सुने लूस, मारिजाने कैप, सिनालो जाफ्ता (विकेटकीपर), एनेरी डर्कसन, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, अयाबोंगा खाका, नॉनकुलुलेको म्लाबा, मसाबाता क्लास, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शंगासे और काराबो मेसो थीं।-

सिक्सर गर्ल बनीं ऋचा-ऋचा ने महिला विश्व कप के एक संस्करण में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज बनने के मामले में कप्तान हरमनप्रीत कौर को पीछे छोड़ दिया है। हरमनप्रीत ने 2017 विश्व कप में कुल 11 छक्के लगाए थे लेकिन, ऋचा ने मौजूदा टूर्नामेंट में 12 छक्के लगाये और कप्तान को पीछे छोड़ने में सफल रहीं, वहीं मौजूदा संस्करण में ओवर ऑल भी ऋचा सभी से आगे हैं। महिला विश्व कप 2025 में ऋचा ने ही सबसे ज्यादा छक्के लगाये हैं। हालांकि सभी संस्करण मिलाकर ऋचा ओवर ऑल संयुक्त रूप से सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाली बल्लेबाज हैं। ड्रियांड्रा डॉटिन ने 2013 में ऋचा की तरह ही 12 छक्के लगाये थे। ऋचा ने महिला विश्व कप में 41-50 ओवर के बीच सबसे ज्यादा रन बनाये हैं। उन्होंने इस दौरान 165.17 के स्ट्राइक रेट से 185 रन बनाये हैं, जबकि नादिने डी क्लर्क ने 160.81 के स्ट्राइक रेट से 119 रन बनाये हैं, इस मामले में जेमिमा तीसरे स्थान पर हैं, जिन्होंने 146.66 के स्ट्राइक रेट से 110 रन बनाये हैं।

चोटिल प्रतिका के स्थान पर आई थी शेफाली-शेफाली और मंधाना ने भारतीय टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और पहले विकेट के लिये शतकीय साझेदारी की थी, दोनों ने चौकों की बरसात कर दी। शेफाली ने किसी गेंदबाज को नहीं छोड़ा, दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 104 रन जोड़े। स्मृति मंधाना को क्लो ट्रायोन ने विकेट कीपर जाफ्ता के हाथों कैच कराकर साझेदारी को तोड़ा था, वह 58 गेंद में आठ चौके की मदद से 45 रन बनाकर आउट हुईं, इसके बाद शेफाली ने अर्धशतक जमाया। शेफाली के लिये वनडे विश्व कप 2025 में खेलना किसी सपने के साकार होने जैसा है, क्योंकि उन्हें प्रतिका रावल के स्थान पर टीम में सम्मिलित किया गया था। प्रतिका चोटिल होने के कारण विश्व कप से बाहर हो गई थीं, जिसके बाद शेफाली को टीम में लिया गया। प्रतिका और मंधाना की जोड़ी काफी सफल रही थी, जबकि प्रतिका का टीम से बाहर होना भारत के लिये झटका माना जा रहा था।

भारतीय महिला टीम की स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा के लिये रोहतक से भारतीय टीम तक का सफर आसान नहीं रहा है। भारतीय महिला क्रिकेट की स्टार शेफाली को एक समय वनडे टीम से बाहर होना पड़ा था। लगभग एक साल से भारत की वनडे टीम का हिस्सा नहीं थीं लेकिन, प्रतिका रावल के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम में सम्मिलित किया गया और उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के विरुद्ध महिला वनडे विश्व कप के फाइनल में चमत्कार कर दिखाया।

शेफाली ने 15 वर्ष की उम्र में भारतीय महिला टी- 20 क्रिकेट टीम में जगह बना ली थी। जून 2021 तक वह महिला क्रिकेट के तीनों फार्मेट में भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई थीं। शेफाली ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिये काफी संघर्ष किया है। 2013 में सचिन तेंदुलकर लाहली में रणजी ट्राफी का खेलने आये तो, भीड़ में मैच देखते हुये सचिन-सचिन की आवाजें सुनकर शेफाली का क्रिकेटर बनने का सपना और भी दृढ़ हो गया, जिसे साकार करने में पिता ने पूरा साथ दिया। दो-ढाई साल तक उन्होंने बल्ले का अभ्यास लड़कों की गेंदबाजी पर ही किया है। अंडर- 19, अंडर- 23 और रणजी खिलाड़ियों की गेंदों पर उन्होंने खूब अभ्यास किया है।

महिला क्रिकेट का सितारा है स्मृति मंधावा-भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में एक नया इतिहास रच दिया है। उन्होंने इस टूर्नामेंट में अब तक 434 रन बनाकर भारत की ओर से किसी एक महिला वनडे विश्व कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है, इस मामले में उन्होंने भारत की दिग्गज कप्तान मिताली राज को पीछे छोड़ दिया है, जिन्होंने 2017 विश्व कप संस्करण में 409 रन बनाये थे। मिताली के बाद किसी एक महिला वनडे विश्व कप संस्करण में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड पूनम राउत के नाम है। उन्होंने 2017 में 381 रन बनाए थे, जबकि टूर्नामेंट के उसी संस्करण में कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी 359 रन बनाये थे, वहीं 2022 विश्व कप में भी स्मृति मंधाना ने 327 रन बनाये थे, उन्होंने 2025 में अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ते हुये एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

जय और सचिन ने लड़कियों का उत्साह बढ़ाया-भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच महिला वनडे विश्व कप 2025 का मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में हुआ, इस मुकाबले का रोमांच उस समय और बढ़ गया जब अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के अध्यक्ष जय शाह और महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर जैसे लोग लड़कियों का उत्साह बढ़ाने के लिये पहुंच गये, इस दौरान रिलायंस ग्रुप की चेयरमैन नीता अंबानी भी जय शाह के साथ बैठीं नजर आईं। रोहित शर्मा और सुनील गावस्कर भी स्टेडियम में दिखाई दिये, वहीं टीम के विजेता घोषित होते ही नेताओं और अभिनेताओं ने जमकर बधाई दी।

जो स्वयं न कर पाये, वो अमोल ने लड़कियों से कराया-भारतीय क्रिकेट महिला टीम के पीछे काम करने वाले चाणक्य का नाम है अमोल मजूमदार, इस कोच की कहानी भी बेहद रोचक है। अमोल ने कभी भारतीय टीम की जर्सी नहीं पहनी पर, उनका सपना भारत को शीर्ष पर पहुंचाना था, जिसे उन्होंने साकार कर दिखाया। 1988 में 13 वर्षीय अमोल मजूमदार स्कूल क्रिकेट के टूर्नामेंट हैरिस शील्ड के दौरान नेट्स में अपनी बल्लेबाजी की बारी की प्रतीक्षा कर रहे थे, इसी दिन सचिन तेंदुलकर और विनोद कांबली ने 664 रनों की ऐतिहासिक साझेदारी कर डाली। दिन समाप्त हो गया और पारी घोषित कर दी गई, जिससे अमोल को बल्लेबाजी करने का अवसर नहीं मिला, इसके 1993 में उन्होंने बॉम्बे (मुंबई) के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया तो, पहले ही मैच में 260 रनों की ऐतिहासिक पारी खेल डाली, जो विश्व में किसी भी खिलाड़ी की डेब्यू पारी में सबसे बड़ा स्कोर था। लोग कहने लगे कि यह अगला सचिन तेंदुलकर बनेगा, उन्होंने दो दशक से भी अधिक लंबे कैरियर में 11,000 से अधिक रन बनाये, जिनमें 30 शतक जड़े लेकिन, कभी भी भारत के लिए एक भी मैच नहीं खेल सके, क्योंकि उनका नाम सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़ और सौरव गांगुली की ऊर्जा के सामने धुंधला पड़ गया, वे स्वयं भी मान बैठे थे कि अब कुछ नहीं हो सकता, इस बीच उनके पिता अनिल मजूमदार ने कहा कि खेल छोड़ना नहीं, तेरे अंदर अभी क्रिकेट बाकी है, इस एक वाक्य ने उनका जीवन बदल दिया, उन्होंने वापसी की और 2006 में मुंबई को रणजी ट्रॉफी जिताई, इसी दौरान उन्होंने एक युवा खिलाड़ी रोहित शर्मा को पहली बार फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में अवसर दिया। दो दशकों में 171 मैच, 11,167 प्रथम श्रेणी रन, 30 शतक के बावजूद, वे भारत के लिये एक भी मैच नहीं खेल पाये। समय अपनी गति से चलता ही रहता है, वह समय 2014 आ गया जब सन्यास लेना पड़ा, इस दिन सचिन तेंदुलकर ने कहा था कि मजूमदार सच्चे अर्थों में खेल के सेवक हैं पर, अमोल के मन में एक खालीपन रह गया, वह बताते हैं कि मैंने भारत के लिए कभी नहीं खेला, यही एक कमी रह गई, इसके बाद उन्होंने कोचिंग का रास्ता चुना। उन्होंने नीदरलैंड, दक्षिण अफ्रीका और राजस्थान रॉयल्स जैसी टीमों के साथ काम किया, उनकी पहचान, ऐसे कोच के रूप में बन गई, जो कम बोलता है लेकिन, बहुत गहराई से हर चीज को समझता है। अक्तूबर 2023 में उन्हें भारतीय महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया, इस दौरान कई लोगों ने सवाल उठाये कि जिसने भारत के लिये कभी नहीं खेला, वो कोच कैसे बनेगा?

2025 में ही महिला विश्व कप के ग्रुप स्टेज में भारत का प्रदर्शन बहुत अच्छा नहीं रहा। इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया से टीम को हार मिली, इसके बाद सोशल साइट्स पर मीम्स बने, आलोचना चरम पर थी, इस दौरान अमोल मजूमदार ने टीम के सामने कड़े शब्दों में प्रतिक्रिया दी। हरमनप्रीत कौर ने बताया कि मैंने इंग्लैंड मैच के बाद एक शब्द नहीं बोला। सर ने कहा कि आप लोगों को यह मैच आसानी से खत्म करना चाहिए था।

भारत में राज्य सरकारों के ऋणों में भारी वृद्धि इन राज्यों की अर्थव्यवस्था को ले डूबेगी

> **किसी भी नागरिक, वाणिज्यिक संस्थान, राज्य सरकार अथवा केंद्र सरकार द्वारा उत्पादक कार्यों के लिए बाजार से ऋण लेना केवल तब तक ही सही है जब तक बाजार से लिए गए ऋण से कम से कम उस स्तर तक आय का अर्जन हो कि इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान इस आय से आसानी से किया जा सके। परंतु, किसी भी व्यक्ति अथवा संस्थान द्वारा बाजार से ऋण यदि अनुत्पादक कार्य के लिए लिया जा रहा है तो इस ऋण के ब्याज एवं किश्त का भुगतान करना निश्चित ही मुश्किल कार्य हो सकता है।**

प्रहलाद सबनानी

आज भारत के कुछ राज्यों की बजटीय स्थिति पर भारी दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है क्योंकि इन राज्यों ने बाजार से भारी मात्रा में ऋण लिया हैं एवं इस ऋण का उपयोग अनुत्पादक कार्यों यथा बिजली के बिल माफ करना, नागरिकों के खातों में सीधे राशि जमा करना, मुफ्त पानी उपलब्ध कराना, कुछ पदार्थों पर सब्सिडी उपलब्ध कराना, आदि के लिए किया जा रहा है। इन राज्यों की स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि इन्हें ऋणों पर अदा किए जाने वाले ब्याज एवं किश्तों के भुगतान हेतु भी ऋण लेना पड़ रहा हैं। यदि कुछ और वर्षों तक इन राज्यों की यही स्थिति बनी रही तो निश्चित ही यह राज्य दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच जाने वाले हैं। हाल ही के कुछ वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा भी बाजार से ऋण लेने की राशि में वृद्धि देखी जा रही है। वर्ष 2019 में केंद्र सरकार पर 1.74 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण बकाया था जो वर्ष 2025 में, लगभग दुगना होते हुए, बढ़कर 3.42 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है और वर्ष 2029 तक इसके 4.89 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर तक हो जाने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। भारत का सकल घरेलू उत्पाद आज 4.19 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। इस प्रकार, भारत सरकार का ऋण, भारत के सकल घरेलू उत्पाद के 80 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों की निर्भरता ऋण पर लगातार बढ़ती हुई दिखाई दे रही है जिसे देश की अर्थव्यवस्था के स्वास्थ्य की दृष्टि से उचित नहीं कहा जा सकता है। आज केंद्र सरकार पर 200 लाख करोड़ रुपए की राशि का ऋण बकाया है एवं समस्त राज्य सरकारों पर 82 लाख करोड़ रूपए का ऋण बकाया है, इस प्रकार केंद्र एवं राज्य सरकारों पर संयुक्त रूप से 282 लाख करोड़ रुपए का ऋण बकाया है जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 81 प्रतिशत है।

एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था ऋण के ऊपर विकसित की जा रही है। जबकि, भारतीय आर्थिक दर्शन ऋण पर निर्भरता को प्रोत्साहन नहीं देता है। चाणक्य के अर्थशास्त्र में, राजा के पास कोष में आधिक्य होने का वर्णन मिलता है। राजा के पास यदि ऋण के स्थान पर कोष का आधिक्य होगा तब वह राज्य अपने नागरिकों के कल्याण पर अधिक राशि खर्च करने की स्थिति में रहेगा। अर्थात, प्राचीन भारत में राज्यों का आधिक्य का बजट रहता था, उसी स्थिति में वे राज्य अपने नागरिकों के कल्याण के कार्यों को तेज गति से चलाने की स्थिति में रहते थे। राज्य का खजाना ही यदि खाली हो तो वे किस प्रकार से राज्य के नागरिकों के लिए भलाई के कार्य कर सकते हैं। आज की स्थिति, बिलकुल विपरीत दिखाई देती है और आज कुछ राज्य बाजार से ऋण लेकर भी नागरिकों को मुफ्त में सुविधाएं उपलब्ध करा रहें हैं बगैर यह सोचे समझे कि आगे आने वाले समय में बाजार से लिए गए ऋण का भुगतान किस प्रकार किया जाएगा।

आज भारत में कुछ राज्यों की स्थिति यह है कि वे अपनी कुल आय का 55 प्रतिशत भाग कर्मचारियों को वेतन, पेन्शन एवं उधार ली गई राशि पर ब्याज के भुगतान करने जैसी मदों पर खर्च कर रहे हैं। जबकि, विभिन्न राज्य अपनी आय को बढ़ा सकने की स्थिति में नहीं है। कुछ राज्य तो वर्ष भर में जिस आय की राशि का आंकलन करते हैं उसे प्राप्त ही नहीं कर पाते हैं और बजटीय आय की राशि एवं वास्तविक आय की राशि में 11 प्रतिशत तक की कमी रहती है, जबकि इन राज्यों के खर्च नियमित रूप से बढ़ते जा रहे हैं और इस प्रकार इन राज्यों का बजटीय घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है और अब यह असहनीय स्थिति में पहुंच गया है।

आज राज्यों की कुल आय का 84 प्रतिशत भाग स्थिर मदों पर खर्च हो रहा है। प्रदेश को आगे बढ़ाने एवं आर्थिक रूप से सम्पन्न बनाने के लिए कुछ राशि इन राज्यों के पास उपलब्ध ही नहीं हो पा रही है। पूंजीगत खर्चों में लगातार हो रही कमी के चलते इन राज्यों में नए अस्पतालों का निर्माण, नए रोड का निर्माण नए स्कूल हेतु भवनों का निर्माण नहीं हो पा रहा हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर भी निर्मित नहीं हो पा रहे हैं। पंजाब में कुल आय का 76 प्रतिशत भाग कर्मचारियों के वेतन, पेन्शन एवं ऋण पर ब्याज अदा करने जैसी मदों पर खर्च हो रहा है इसी प्रकार हिमाचल प्रदेश में 79 प्रतिशत एवं केरल में 71 प्रतिशत भाग उक्त मदों पर खर्च किया जा रहा है। साथ ही, कुछ राज्यों द्वारा अपनी कुल आय का भारी भरकम हिस्सा सब्सिडी जैसी मदों पर खर्च किया जा रहा है। जैसे, पंजाब द्वारा अपने बजटीय आय का 24 प्रतिशत भाग सब्सिडी पर खर्च किया जा रहा है। इसी प्रकार, हिमाचल प्रदेश द्वारा 5 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश द्वारा 15 प्रतिशत, तमिलनाडु द्वारा 12 प्रतिशत एवं राजस्थान द्वारा 13 प्रतिशत राशि सब्सिडी पर खर्च की जा रही है। पंजाब द्वारा तो अपने बजट की 100 प्रतिशत राशि (24 प्रतिशत सब्सिडी पर एवं 76 प्रतिशत राशि वेतन, पेन्शन एवं ब्याज पर खर्च की जा रही है) सामान्य मदों पर खर्च की जा रही है और पूंजीगत खर्चों के लिए शून्य राशि बचती है।

विभिन्न राज्यों द्वारा पेन्शन की मद पर वर्ष 1980-81 में अपने राज्य की कुल आय का केवल 3.4 प्रतिशत की राशि का खर्च किया जा रहा था जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर 24.3 प्रतिशत हो गया। इसी कारण से भारत सरकार ने पेन्शन अदा करने के नियमों में परिवर्तन किया था। आज यदि पेन्शन की नीति को नहीं बदला गया होता तो इस मद पर होने वाला खर्च बढ़कर 30 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाता।

पिछले कुछ वर्षों के दौरान देश के कई राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च को घटाया है। वर्ष 2015-16 से वर्ष 2022-23 के बीच राज्यों ने अपने पूंजीगत खर्च में 51 प्रतिशत तक की कमी की है। दिल्ली में 38 प्रतिशत, पंजाब में 40 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 41 प्रतिशत पश्चिम बंगाल में 33 प्रतिशत से पूंजीगत खर्चों में कमी दर्ज हुई है। आज कई राज्य सरकारें सब्सिडी प्रदान करने की मद पर अपने खर्चों को लगातार बढ़ा रहीं हैं एवं पूंजीगत खर्चों को लगातार घटा रही हैं, जो उचित नीति नहीं कही जा सकती है। इस प्रकार तो इन राज्यों की अर्थव्यवस्थाएं शीघ्र ही डूबने के कगार पर पहुंच जाने वाली हैं। इन राज्यों में हिमाचल प्रदेश, केरल, पश्चिमी बंगाल जैसे राज्य शामिल हैं। सब्सिडी, वेतन, पेन्शन एवं ब्याज जैसी मदों पर लगातार बढ़ रहे खर्चों के कारण आज 15 राज्यों का बजटीय घाटा कानूनी रूप से निर्धारित 3 प्रतिशत की सीमा से ऊपर हो गया है। हिमाचल प्रदेश में बजटीय घाटा बढ़कर 4.7 प्रतिशत, मध्य प्रदेश में 4.1 प्रतिशत, आंध्रप्रदेश में 4.2 प्रतिशत एवं पंजाब में 3.8 प्रतिशत के खतरनाक स्तर पर पहुंच गया है।

इसी क्रम में ध्यान में आता है कि मध्य प्रदेश सरकार ने 5200 करोड़ रुपये का नया कर्ज लेने का निर्णय लिया है। यह फैसला इसलिए चर्चा में है क्योंकि भाईदूज के अवसर पर 'लाड़ली बहना योजना' के अंतर्गत 1.27 करोड़ महिलाओं के खातों में राशि समय पर नहीं पहुंच पाई थी।

25 वर्षों की विकास यात्रा थीम पर बनी कृषि विभाग के प्रदर्शनी को मिला द्वितीय पुरस्कार

कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दी बधाई और शुभकामनाएं

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती के अवसर पर राज्य सरकार द्वारा नवा रायपुर, अटल नगर तूता स्थित पंडित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्यावसायिक परिसर, मेला स्थल में 1 से 5 नवम्बर तक राज्योत्सव का आयोजन किया गया। इस मेला में कृषि एवं संवर्गीय विभागों द्वारा 25 वर्षों की विकास यात्रा की थीम पर कृषि मॉडल प्रदर्शनी लगाई गई। आम जनता द्वारा इस प्रदर्शनी को काफी प्रशंसा एवं सराहना मिली। 05 दिवसीय स्थापना दिवस कार्यक्रम में जुरी कमेटी द्वारा कृषि विभाग के प्रदर्शनी को द्वितीय स्थान के लिए चयनित किया गया। राज्योत्सव के समापन समारोह के मौके पर उप राष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन के हाथों विभाग की सचिव श्रीमती शहला निगार ने पुरस्कार ग्रहण किया। कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम ने विभाग की इस सफलता के लिए अधिकारियों और कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। पुरस्कार मिलने से अधिकारी-कर्मचारी भी उत्साहित हैं। इस मौके पर कृषि विभाग के संचालक श्री राहुल देव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

गौरतलब है कि राज्योत्सव में कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी तथा संवर्गीय विभाग - उद्यानिकी, पशु पालन, मछली पालन, कृषि अभियांत्रिकी, राष्ट्रीय जलग्रहण, इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय रायपुर एवं कामधेनु विश्वविद्यालय तथा सम्बंधित संस्थाओं द्वारा इन 25 वर्षों के विकास यात्रा की थीम पर कृषि मॉडल का प्रदर्शन किया गया।

कृषि विभाग के अधिकारियों ने बताया कि राज्य स्थापना वर्ष 2000 से वर्ष 2025 तक 25 वर्षों में केन्द्र शासन एवं राज्य शासन द्वारा संचालित विभिन्न महत्वकांक्षी योजनाओं के द्वारा हुए विकास का जीवंत प्रदर्शन करते हुए स्टॉल लगाया गया, जिसमें कृषि विभाग द्वारा प्राकृतिक

खेती, किसान सम्मान निधि, ड्रोन द्वारा उर्वरक छिड़काव, बीज वितरण व विपणन की नवीन व्यवस्था, भूमि संरक्षण द्वारा वर्षा जल संरक्षण आदि को प्रदर्शित किया गया।

उद्यानिकी विभाग द्वारा पुष्पों की प्रदर्शनी एवं सब्जियों तथा फलों की उन्नत किस्म का प्रदर्शन किया गया। पशुपालन विभाग द्वारा पशुओं के उन्नत नस्ल एवं दुग्ध उत्पादन तथा मछली पालन विभाग द्वारा बायोफ्लॉक एवं केजकल्चर द्वारा मछलीपालन की नवीन तकनीक के साथ सजावटी मछलियों का प्रदर्शन किया गया। कृषि अभियांत्रिकी द्वारा कृषि में प्रयोग की जाने वाली उन्नत कृषि तकनीक से लैस कृषि यंत्रों को जनता के लिए प्रदर्शित किया गया। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के अनुकूल तथा अधिक उत्पादन देने वाली विभिन्न फसल किस्मों के साथ स्व-सहायता समूहों द्वारा निर्मित जैविक उत्पाद का प्रदर्शन किया गया था।

जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में डिलीवरी का रिकॉर्ड स्तर,माह अक्टूबर में 456 प्रसव

जिला चिकित्सालय की स्वास्थ्य सुविधाओं पर लोगों का बढ़ा भरोसा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। जिला चिकित्सालय बलौदाबाजार में अक्टूबर माह के दौरान संस्थागत प्रसव का आंकड़ा रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। पूरे महीने में कुल 456 प्रसव दर्ज किए गए जिनमें से 155 प्रसव सी-सेक्शन (शल्य प्रसव) के माध्यम से कराए गए। बढ़ती प्रसव संख्या इस बात की ओर इंगित करता है कि जिला अस्पताल में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं पर लोगों का विश्वास बढ़ा है।

मुख्य चिकत्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश कुमार अवस्थी ने बताया कि जिले में लगभग 1400 गर्भवती महिलाओं की एएनसी (प्रसव पूर्व जांच) की गई जो यह दर्शाती है कि नियमित जांच एवं सुरक्षित मातृत्व के प्रति जागरूकता में वृद्धि हुई है।बढ़ते प्रसव मामलों के कारण जिला चिकित्सालय पर कार्यभार भी तेजी से बढ़ा है।

ग्रीन पार्क क्लब में आबकारी विभाग की छापेमार कार्यवाही पर उठे सवाल

मीडिया ऑडीटर, मनेंद्रगढ़ (निप्र)। मनेंद्रगढ़ के चर्चित ग्रीन पार्क क्लब में बीती रात जिला आबकारी विभाग और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापेमार कार्यवाही की। यह कार्यवाही देर रात लगभग 11 बजे की गई, जिसके दौरान क्लब परिसर में अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, जैसे ही टीम क्लब में पहुंची, कई लोग अपनी गाड़ियों में बैठकर तेजी से मौके से भागने लगे।

सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार, पिछले कई महीनों से इस क्लब में मध्य प्रदेश की शराब परोसे जाने की शिकायतें मिल रही थीं। बताया जा रहा है कि क्लब में छत्तीसगढ़ की सरकारी शराब की खाली बोतलों में मध्य प्रदेश से लाई गई शराब को भरकर सील पैक किया जाता था, ताकि यह वैध दिखे। इस तरह से तैयार की गई शराब को क्लब के 'खास ग्राहकों' को ऊंचे दामों पर बेचा जाता था।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्लब में देर रात तक पार्टियां चलती रहती हैं, जबकि सरकारी नियमों के अनुसार किसी भी बार या क्लब को निर्धारित समय सीमा के बाद खुला रखना प्रतिबंधित है। लोगों का आरोप है कि क्लब के पिछले हिस्से में विशेष ग्राहकों के लिए गुप्त व्यवस्था होती है, जहां बिना रोक-टोक शराब परोसी जाती है।

हालांकि आबकारी विभाग की टीम ने कार्यवाही के बाद यह दावा किया कि जांच के दौरान कुछ संदिग्ध बोतलें जब्त की गई हैं और सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं, लेकिन कई सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि कार्यवाही के दौरान क्लब में मौजूद लोगों का वीडियो फुटेज क्यों नहीं बनाया गया? अगर टीम ने पारदर्शिता से काम किया होता, तो वीडियो साक्ष्य सार्वजनिक किए जा सकते थे।

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की प्रदर्शनी को मिला तृतीय पुरस्कार

उप राष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के हाथों वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने ग्रहण किया पुरस्कार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के रजत जयंती वर्ष के अवसर पर 1 से 5 नवम्बर तक नवा रायपुर अटल नगर, तूता स्थित पंडित डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी व्यावसायिक परिसर मेला स्थल में राज्योत्सव का आयोजन किया गया। राज्योत्सव में वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग द्वारा ÷25 वर्षों की विकास यात्रा थीम पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी लगाई गई, जिसे जनता द्वारा काफी सराहना मिली। इस पांच दिवसीय राज्योत्सव के दौरान ज्यूरी समिति द्वारा मूल्यांकन उपरांत, वन विभाग की इस प्रदर्शनी को तृतीय पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। राज्योत्सव के समापन समारोह में उप राष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के हाथों वन बल प्रमुख श्री व्ही. श्रीनिवास राव ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने विभाग की इस उपलब्धि पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता टीमवर्क, नवाचार और पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पण का परिणाम है। पुरस्कार मिलने से विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उत्साहित हैं। राज्योत्सव में आने वाले आगंतुकों ने इस स्टॉल को रोचक, आकर्षक और ज्ञानवर्धक बताया। यह प्रदर्शनी छत्तीसगढ़ की हरित सोच, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सशक्त प्रतीक बनी।

उल्लेखनीय है कि प्रदर्शनी में 25 वर्षों की उपलब्धियों की जीवंत झलक वन्यजीव संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन, एवं हरित विकास से जुड़े मॉडल और योजनाओं की जानकारी आकर्षक रूप में दिखायी गई। राज्य स्थापना वर्ष 2000 से वर्ष 2025 तक लागू की गई विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के प्रभाव को सरल और प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किया गया।

प्रदर्शनी में 'एक पेड़ माँ के नाम' योजना के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में अब तक 6.41 करोड़ पौधारोपण का उल्लेख,शहरों में विकसित मियावाकी सूक्ष्म वन,ग्रीन गुफा परियोजना, घोटुल संस्कृति प्रदर्शन,गज संकेत ऐप एवं गजरथ यात्रा द्वारा मानव-हाथी संघर्ष में कमी को प्रदर्शित किया गया। इसके अतिरिक्त प्रदर्शनी में छत्तीसगढ़ हर्बल्स के माध्यम से वन उत्पादों का मूल्यवर्धन,राज्य के प्रमुख प्राकृतिक स्थलों जैसे हांदावाड़ा जलप्रपात, कांगेर घाटी की कुटुमसर गुफा, बारनवापारा अभयारण्य की जानकारी भी दी गई।

चिरमिरी शहर के पूर्व महापौर एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष के. डोमरू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। रेड्डी एक बार फिर अपने पुराने संकल्प — हर चिरमिरीवासी को पट्टा दिलाने — के लिए सक्रिय हो गए हैं। अपने महापौर कार्यकाल से लेकर अब तक उन्होंने प्रत्येक कलेक्टर से मुलाकात कर इस विषय को निरंतर उठाया है। इस सप्ताह उन्होंने अपर कलेक्टर अनिल सिदार से जनदर्शन में मिलकर कलेक्टर डी. वेंकट राहुल के नाम एक विस्तृत पत्र सौंपा और पट्टा वितरण की लंबित प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की मांग की। रेड्डी ने बताया कि एसईसीएल की चिरमिरी स्थित लीज की 2.94 हेक्टेयर जमीन, जिसे कोयला उत्पादन के बाद अनुपयोगी घोषित किया जा चुका है, शासन को वापसी हेतु कलेक्टर कार्यालय को प्रस्ताव भेजा गया था, जो अब तक लंबित है। उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि इस पर तत्काल निर्णय लेकर स्थानीय निवासियों को उनके वर्षों पुराने घरों और दुकानों का मालिकाना हक (पट्टा) प्रदान किया जाए।

रेड्डी ने अपने पत्र में स्मरण कराया कि उनके महापौर कार्यकाल के दौरान उन्होंने न केवल राज्य शासन से सकारात्मक पहल करवाई, बल्कि सरगुजा विकास प्राधिकरण के माध्यम से कोयला क्षेत्रों की उत्पादित भूमि पर राजस्व सर्वे करवाकर नागरिकों के लिए राजस्व रिकॉर्ड तैयार करवाया था। इसके परिणामस्वरूप कई पात्र परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभ भी मिला।

7

राज्योत्सव में मंत्री लखन लाल देवांगन के द्वारा पांच टीबी मरीजों को दिया गया फूड बास्केट

स्टाल में 1056 लोगों ने कराया अपना जॉच

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस और रजत जयंती वर्ष के अवसर पर कोरबा के घंटाघर में 02 नवंबंर से 04 नवंबर तक भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाया गया था। स्वास्थ्य विभाग के स्टाल में वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल के द्वारा 05 टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किया गया।

राज्योत्सव में टीबी मुक्त भारत थीम पर स्वास्थ्य विभाग का स्टॉल लगाया गया तथा लोगों को सामान्य बिमारी की जॉच, टीबी तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही स्टॉल में टीबी संभावितों की जॉच के लिए विभागीय एक्सरे वैन तथा विलियम जे क्लींटन फाउंडेशन आई लिफ्ट के द्वारा एक्स-रे किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.एस.एन.केशरी ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल में लगभग 1056 लोगों ने अपना स्वास्थ्य जॉच कराया 882 लोगो का बीपी, शुगर का जॉच कर दवाईयॉ वितरण किया गया, 76 टीबी संभावितों का एक्सरे किया गया।

राज्योत्सव में मंत्री लखन लाल देवांगन के द्वारा पांच टीबी मरीजों को दिया गया फूड बास्केट

स्टाल में 1056 लोगों ने कराया अपना जॉच

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के स्थापना दिवस और रजत जयंती वर्ष के अवसर पर कोरबा के घंटाघर में 02 नवंबंर से 04 नवंबर तक भव्य राज्योत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देने हेतु स्टॉल लगाया गया था। स्वास्थ्य विभाग के स्टाल में वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल के द्वारा 05 टीबी मरीजों को फूड बास्केट प्रदान किया गया।

राज्योत्सव में टीबी मुक्त भारत थीम पर स्वास्थ्य विभाग का स्टॉल लगाया गया तथा लोगों को सामान्य बिमारी की जॉच, टीबी तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके साथ ही स्टॉल में टीबी संभावितों की जॉच के लिए विभागीय एक्सरे वैन तथा विलियम जे क्लींटन फाउंडेशन आई लिफ्ट के द्वारा एक्स-रे किया गया।

लाख पालन बना ग्रामीण समृद्धि का आधार किसानों की आमदनी में आई क्रांतिकारी बढ़ोतरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पलाश पेड़ों की भरमार है। पलाश पेड़ जिसे छत्तीसगढ़ी में परसा कहा जाता है, वो खेतों के मेड़ों में अक्सर पाए जाते हैं। इसके बावजूद इसका कोई व्यावसायिक उपयोग नहीं हो पा रहा था। परंतु अब मनेंद्रगढ़ वनमंडल ने इस दिशा में एक अनूठी पहल की है। पलाश के पेड़ लाख पालन के लिए अत्यंत उपयुक्त होते हैं क्योंकि इनमें रंगीनी लाख का पालन किया जा सकता है। अगर इन पलाश के पेड़ों का वैज्ञानिक तरीके से उपयोग किया जाए, तो यह किसानों को खेती के अलावा अतिरिक्त आय का साधन प्रदान कर सकता है।

मनेंद्रगढ़ जिले के गांवों में पलाश पेड़ों की पर्याप्त उपलब्धता है। यहां पूर्व में लाख पालन कार्य होता रहा है, लेकिन समय के साथ मौसम की प्रतिकूलता और वैज्ञानिक पद्धतियों के अभाव में यह कार्य बंद हो गया था। ग्रामीणों से चर्चा करने पर ग्राम भौता, नारायणपुर, छिपछिपी और बुंदेली के कृषकों ने लाख पालन के प्रति गहरी उत्सुकता दिखाई। इस उत्साह को देखते हुए अक्टूबर-नवंबर 2023-24 में पहली बार भौता समिति के अंतर्गत भौता, नारायणपुर, छिपछिपी और बुंदेली गांवों में तथा जनकपुर के चांटी और जरडोल गांव के आसपास के क्षेत्रों में 34 कृषकों को 2.54 क्विंटल लाख बीहन (बीज) वितरित किए गए, जिनका 276 पेड़ों में संचरण कराया गया। इसके पश्चात जून-जुलाई 2024-25 में भौता और बेलबहरा समितियों के तीन ग्रामों में 0.74 क्विंटल बीहन 4 कृषकों के 80 पेड़ों में लगवाया गया।

अक्टूबर 2024-25 में 5 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों ने भौता, बेलबहरा, माड़ीसरई, जनकपुर और जनुवा के अंतर्गत 9 ग्रामों के 126 कृषकों ने 3117 पलाश पेड़ों में बीहन लाख का संचरण किया। इसके बाद जुलाई 2025 में 10 प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के 27 ग्रामों के 205 कृषकों द्वारा 2037 पलाश पेड़ों में 25.50 क्विंटल बीहन लाख का संचरण किया गया, जिसमें से 20.45 क्विंटल बीहन लाख जिले के ही कृषकों द्वारा उत्पादित किया गया, जबकि शेष 4.05 क्विंटल बलरामपुर से लाया गया। अक्टूबर 2025 तक यह प्रयास और बड़ा रूप ले चुका था, अब 37 ग्रामों के 400 कृषकों ने कुल 6 हजार पेड़ों में 60 क्विंटल बीहन लाख का संचरण किया। गौर करने योग्य बात यह है कि इस बार संपूर्ण बीहन लाख का उत्पादन मनेंद्रगढ़ के ही किसानों ने किया। इस अभियान का लक्ष्य हर वर्ष उत्पादन को तीन गुना बढ़ाना है, जिससे अगले वर्ष तक यह पूरे ज़िले में फैल जाएगा। लाख पालन की सबसे बड़ी चुनौती बीहन लाख की उपलब्धता होती है, क्योंकि इसे दूसरे क्षेत्रों से लाकर लगाना कठिन कार्य है। लेकिन जिस गति से मनेंद्रगढ़ लाख उत्पादन में आगे बढ़ रहा है, भविष्य में यह संभव है कि पूरे छत्तीसगढ़ को बीहन लाख की सप्लाई यहीं से हो। वर्तमान में लाख उत्पादन में झारखंड पहले और छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर है, वहीं छत्तीसगढ़ में मनेंद्रगढ़ जिला इस क्षेत्र में पहले स्थान पर है।

लाख से बढ़ता मुनाफा और आत्मनिर्भर किसान: अगर इसका कॉस्ट- बेनिफिट एनालिसिस देखा जाए, तो जितना लाख बीज के रूप में पेड़ों में लगाया जाता है, उसका लगभग 2.5 गुना तक उत्पादन हो जाता है। इसका मतलब है कि किसानों को लगभग डेढ़ गुना का शुद्ध लाभ प्राप्त होता है। कई किसान इस पहल से 30 से 40 हजार रुपये तक की अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं। प्राथमिक वनोपज सहकारी समिति भौता के ग्राम छिपछिपी के कृषक सर्वजीत सिंह ने 2023 के अक्टूबर-नवंबर में 40 किलो बीहन 45 वृक्षों में लगाया, जिसकी लागत 10,000 रुपए थी। 2024 के अक्टूबर-नवंबर में उन्होंने 150 किलो बीहन लाख 37,500 रुपए में बेचा और 2025 के जुलाई में 125 किलो लाख 31,250 रुपये में बेचा।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री देवांगन 4.91 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का करेंगे भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के वाणिज्य, उद्योग एवं श्रम मंत्री श्री लखनलाल देवागंन शुक्रवार 7 नवम्बर को कोरबा में 4 करोड़ 91 लाख 49 हजार रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे। मंत्री श्री देवांगन अपरान्ह 3 बजे न्यू अमरैय्या पारा (टॉवर के नीचे) कोरबा जोन अंतर्गत वार्ड क्रमांक 14, न्यू रेलवे कॉलोनी शिव मंदिर के पास धनंजय घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 10 लाख रूपए, टीकम राठौर के घर से सुरजीत सिंग खत्री घर तक सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 12 लाख रूपए, अमरैय्या पारा अंतर्गत पॉवर टॉवर के पास सीसी रोड एवं नाला निर्माण कार्य राशि 88 लाख रूपए, हरियाणा गली में सीसी रोड एवं नाली निर्माण कार्य राशि 10 लाख रूपए, मुड़ापार बायपास मार्ग में रायल इंफील्ड शोरूम से पेट्रोल पम्प तक आरसीसी नाला एवं सीसी रोड निर्माण कार्य राशि 26 लाख, मुड़ापार तालाब के पास नाला से तलाब तक ओव्हर फ्लो कलवर्ट निर्माण कार्य राशि 28 लाख रूपए का भूमिपूजन करेंगे।

मंत्री श्री देवांगन अपरान्ह 3.35 बजे कोरबा नमो गार्डन के पास शारदा विहार वार्ड क्रमांक 13 में वृद्धजनों हेतु सियाद सदन निर्माण हेतु राशि 10 लाख रूपए, शाम 4 बजे कोसाबाड़ी जोन अंतर्गत वार्ड क्रमांक-36 डिंगापुर ओम फ्लैट के पीछे नाली एवं सीसी निर्माण कार्य राशि 20 लाख रूपए, डिंगापुर में (राजेश जनरल स्टोर्स से दीपक यादव) के घर तक सीसी रोड निर्माण कार्य राशि 10 लाख रूपए, कलेक्टोरेट परिसर में स्थित सायकल स्टैण्ड का विकास कार्य राशि 10.56 लाख, एसपी ऑफिस से रजगामार्ग तक बीटी रोड निर्माण कार्य राशि 199.93 लाख रूपए, डिंगापुर अंतर्गत आर्युर्वेदिक पॉली क्लिनिक के पास सड़क निर्माण कार्य राशि 67 लाख रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन करेंगे।

छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में है आगे बढ़ने की संभावनाएं : श्री डेका

ऑट विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में राज्यपाल ने मेधावी विद्यार्थियों को प्रदान किए पदक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में हर क्षेत्र में आगे बढ़ने की बहुत संभावनाएं हैं। देखे, सोचे और अवसर का उपयोग करें। अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए मजबूत इच्छाशक्ति होना जरूरी हैं। यह उद्गार राज्यपाल श्री रमेन डेका ने आज ऑफ्ट विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए व्यक्त किये। समारोह में विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले 65 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक सहित 324 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की गई।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि अनुशासन और समय का पाबंद होना प्रबंधन का महत्वपूर्ण भाग है। अपने समय का सद्पयोग करें अपनी क्षमता और योग्यता का विकास करें। अपने स्वास्थ्य पर भी ध्यान दें, क्योंकि शरीर स्वस्थ रहेगा तभी पूर्ण क्षमता से कार्य कर पायेंगे। उन्होंने सिनेमा, फोटोग्राफी, फैशन डिजाइनिंग के क्षेत्र में भी विस्तृत संभावनाओं का उल्लेख किया। श्री डेका ने कहा कि सिनेमा वह माध्यम जिसके

द्वारा हम संदेश दे सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस देश ने हमें बहुत कुछ दिया है, हमें भी इसके बारे में सोचना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि विद्यार्थी काल आपके जीवन का एक बहुत संदर पड़ाव है। जब आप कॉलेज से निकलते हैं उसके बाद ही आपका संघर्ष प्रारंभ होता है। जीवन में एक काम ऐसा करिये जो लाभ के लिए न हो बल्कि बदलाव के लिए हो। समाज आपकी ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है उसके लिए काम करें। हमारा एक-एक प्रयास भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था की ओर आगे बढ़ाएगा। राज्यपाल ने पदक एवं उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को बधाई दी और कहा कि हमेशा श्रेष्ठता की ओर बढ़ते रहें।

समारोह में उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा ने कहा कि शिक्षा तभी सार्थक होती है जब वह व्यक्ति को दायित्व एवं नवाचार के लिए प्रेरित करती है। यह समारोह केवल उपाधियाँ प्रदान करने का अवसर नहीं है; यह कड़ी मेहनत, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्टता का उत्सव है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. संदीप मारवाह, विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा, छत्तीसगढ़ निजी विश्वविद्यालय विनियामक आयोग के चेयरमेन श्री वी.के. गोयल, ने भी अपना संबोधन दिया।

पहाड़ों की बर्फबारी से रायसेन में बढ़ी ठंड, न्यूनतम तापमान 5 डिग्री लुढ़का; सुबह गर्म कपड़ों में स्कूल पहुंचे बच्चे

रायसेन, एजेंसी। पहाड़ी राज्यों में हो रही बर्फबारी के असर के कारण रायसेन में दिन और रात के तापमान में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। बीते दो दिनों से रातें काफी ठंडी हो गई हैं और सर्द हवाएं चल रही हैं। शुक्रवार सुबह तेज सर्दी का एहसास हुआ। रात का न्यूनतम तापमान 18 डिग्री से गिरकर 13 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है, जबकि दिन का अधिकतम तापमान भी 30 डिग्री से गिरकर 27 डिग्री पर आ गया है। इस तरह दिन और रात के तापमान में चार से पांच डिग्री की गिरावट दर्ज की गई है।

सुबह छाई कोहरे की धुंध : शुक्रवार सुबह कोहरे की धुंध के साथ ठंडी हवाएं चलीं। रायसेन में करीब एक सप्ताह बाद मौसम में यह बदलाव देखा गया है। एक सप्ताह पहले हुई बारिश के कारण करीब 7 दिन तक मौसम बदला हुआ रहा था और धूप नहीं निकली थी। अब दिन में धूप तो निकल रही है, पर सुबह और शाम सर्दी का एहसास होने लगा है। छोटे बच्चे भी सुबह गर्म कपड़ों में स्कूल पहुंचे।

उत्तरी हवाएं और बढ़ाएंगी ठंड : मौसम जानकारी के अनुसार, आगे और तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी। उत्तरी हवाएं आने से ठंड और बढ़ेगी।

141 वारंटियों गिरफ्तार, 2 फरार आरोपियों को भी पकड़ा; सीहोर में कोम्बिंग गश्त में 133 चिन्हित बदमाशों और गुंडों की चेकिंग हुई

सीहोर, एजेंसी। सीहोर पुलिस ने जिले भर में रातभर चलाए गए विशेष कोम्बिंग अभियान में 141 वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसके अलावा 2 अन्य अपराधों में फरार आरोपियों को भी पकड़ा गया। पुलिस ने 133 चिन्हित बदमाशों और गुंडों की भी गहनता से जांच की। पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला के निर्देश पर यह अभियान चला। लगभग 229 पुलिस अधिकारी और कर्मचारी इसमें शामिल हुए। कार्यवाही रात 12 बजे से सुबह 5 बजे तक चली। पुलिस ने अपराधियों के घरों पर दबिश दी और वारंटियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए वारंटियों में स्थायी और गिरफ्तारी वारंट शामिल थे। सबसे ज्यादा 20 वारंटी कोतवाली थाना क्षेत्र में पकड़े गए। इसके अलावा भैरूंदा में 18, आष्टा में 17, इछावर में 11, शाहगंज में 10 वारंटी पकड़े गए। कोम्बिंग गश्त से पहले सभी थानों की टीमों को वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा ब्रीफ किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला थाना भैरूंदा और इछावर में मौजूद रहे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुनीता रावत ने आष्टा और पार्वती थानों का दौरा किया। एसडीओपी पूजा शर्मा बिलकिसगंज में, एसडीओपी बुदनी रवि शर्मा बुदनी नगर में, और नगर पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिनंदना शर्मा कोतवाली व मंडी थानों में उपस्थित रहीं। एसडीओपी आष्टा आकाश अमलकर और एसडीओपी भैरूंदा रोशन जैन भी अपनी-अपनी जगह पर मौजूद थे। पुलिस ने बताया कि यह गश्त अपराधों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए की गई थी। पुलिस अधीक्षक सीहोर द्वारा कोम्बिंग गश्त में भाग लेने वाली टीमों को पुरस्कार दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए इस तरह की कार्यवाही लगातार जारी रहेगी।

सीधी के मझौली कॉलेज के सामने बाइक हादसा, दो युवक गंभीर रूप से घायल; अस्पताल में एडमिट

सीधी, एजेंसी। सीधी जिले में शुक्रवार सुबह 9 बजे एक सड़क हादसा हो गया। मझौली थाना क्षेत्र अंतर्गत शासकीय कॉलेज के सामने एक तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर सड़क किनारे जा घुसी। इस दुर्घटना में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान मड़वास निवासी शोभित केवट (25 वर्ष) और कृष्ण कुमार केवट (29 वर्ष) के रूप में हुई है। दोनों युवक अपनी बाइक से मड़वास से मझौली की ओर आ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी राहगीर संतोष यादव ने बताया कि बाइक की रफ्तार काफी तेज थी। कॉलेज के सामने अचानक कुछ छात्राएं सड़क पार करने लगीं। उन्हें बचाने के प्रयास में बाइक बेकाबू होकर पलट गई। दुर्घटना में दोनों युवकों के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आई हैं। घटना के तुरंत बाद मौके पर मौजूद लोगों ने घायलों की मदद की और डायल-112 को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और बिना देरी किए घायलों को मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने उनका इलाज किया। टीम ने बताया कि दोनों की स्थिति गंभीर है और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें आगे रीवा रेफर किया जा सकता है। उसने कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया। सुबह परिवार के लोग जाग गए, लेकिन गोविंद नहीं उठा। काफी देर होने पर भी जब उसने जवाब नहीं दिया तो परिवार के लोगों ने दरवाजा तोड़ा और कमरे में पहुंचे।

दोनों को पुलिस ने पहुंचाया अस्पताल : मझौली थाना प्रभारी विशाल शर्मा ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम को भेजा गया था। घायलों को अस्पताल में एडमिट करा दिया गया है और दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए मामले की जांच की जा रही है। स्थानीय लोगों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचित किया, और फायर टीम 10 मिनट के भीतर मौके पर पहुंच गई। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक दुकान का अधिकांश सामान नष्ट हो चुका था।

पत्नी की अर्थी उठते ही पति ने जहर खाया, मौत; पत्नी की खुदकुशी पर प्रताड़ना के आरोप लगे तो उठाया कदम

खंडवा, एजेंसी। खंडवा के बड़ाबम क्षेत्र में गुरुवार रात एक दंपत्ति की जहर खाने से मौत हो गई। पत्नी ने बुधवार को जहर खाया था और गुरुवार सुबह अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पत्नी का शव श्मशान पहुंचा तो पति ने भी जहर खा लिया। देर रात उसने भी दम तोड़ दिया। दोनों की 13 साल पहले लव मैरिज हुई थी। परिवार में 12 साल का बेटा है। पुलिस ने मर्ग दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शहर के बड़ाबम निवासी मंडलोई परिवार की बहू रीना (40) ने बुधवार को जहर खा लिया था। परिजन उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। गुरुवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। बेटी के निधन की सूचना मिलने के बाद इंदौर से मायके वाले पहुंचे। उन्होंने पति और ससुर पर प्रताड़ना का आरोप लगाया। पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर काफी देर हंगामा हुआ। मायके वालों का कहना था कि ससुराल पक्ष की वजह से

रीना ने सुसाइड किया है।

पत्नी का शव श्मशान घाट पहुंचा, पति ने भी जहर खा लिया: पोस्टमार्टम के बाद रीना का शव घर पहुंचा, यहां से अर्थी उठी और श्मशान घाट तक पहुंची ही थी कि घर से बाहर सिहाड़ा रोड पर पति आशीष ने भी जहर खा लिया। परिचित उसे जिला अस्पताल ले गए और वहां भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान रात 11 बजे उसकी भी मौत हो गई।

दोनों ने 13 साल पहले की थी लव मैरिज: रीना मूल रूप से इंदौर की रहने वाली थी। 13 साल पहले उसने बड़ाबम निवासी आशीष से लव मैरिज की थी। शादी के कई साल अच्छे चले, लेकिन बाद में रिश्ते में तनाव बढ़ता गया और प्रेम कहानी अंत में एक दर्दनाक मोड़ पर खत्म हो गई। अब उनका 12 साल का बेटा अकेला रह गया है।

मरने से पहले कहा- झूठे आरोपों के कारण जहर पीया: जहर खाने के बाद रीना के पति आशीष मंडलोई ने अस्पताल में परिजनों से कहा कि रीना के घरवाले झूठे आरोप लगा रहे हैं। पोस्टमॉर्टम रूम के बाहर मेरे साथ मारपीट की गई। इस कारण मैंने जहर पिया है। मैं रीना से प्यार करता था, इसलिए लव मैरिज की। मैंने कभी प्रताड़ित नहीं किया। झूठे आरोपों ने मुझे तोड़ दिया है। अब मैं जीना नहीं चाहता। रीना के पास जाना चाहता हूं।

बहन, मामी ने लगाए थे मारपीट और प्रताड़ना के आरोप: रीना के भाई अनिल श्रीवास ने कहा कि बहन को इतना प्रताड़ित किया कि उसने मजबूरी में यह कदम उठाया। बहन राखी और मामी प्रिया श्रीवास्तव ने भी ससुराल पक्ष पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना, मारपीट व भेदभाव के आरोप लगाए।उनका कहना है कि पति आशीष के किसी अन्य महिला से संबंध होने के कारण रीना मानसिक रूप से टूट चुकी थी। वहीं ससुराल पक्ष ने इन सभी आरोपों को नकार दिया। रीना के ससुर शिवकुमार मंडलोई ने कहा कि रीना को घर में हमेशा सम्मान मिला। मायका पक्ष हमेशा ससुराल को ही दोष देता है। इधर, मामले में कोतवाली पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। टीआई अशोक सिंह चौहान ने बताया कि मर्ग जांच में जो भी तथ्य आएंगे उसके अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

मप्र : शहडोल जिले के अमलाई में मालगाड़ी के डिब्बे पटरी से उतरे

शहडोल, एजेंसी। मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में अमलाई स्थित ओरियंट पेपर मिल में माल अनलोड कर वापस जा रही मालगाड़ी के डिब्बे शुक्रवार तड़के करीब 5 बजे पटरी से उतर गए। घटना के बाद लोको पायलट द्वारा इसकी सूचना वारिष्ठ अधिकारियों को दी गई। इस डिरेल में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। पता चला है कि मिल के अंदर तक जाने वाली रेल लाइन का रख रखाव व मेंटेनेन्स की जिम्मेदारी मिल प्रबंधन की है, लेकिन एक लम्बे अर्से से उक्त रेल ट्रैक का मेंटेनेन्स नहीं कराया गया है। जिस कारण सप्ताह भर के भीतर यह दूसरी घटना घटित हो गई। जानकारी के अनुसार, मालगाड़ी अमलाई स्थित ओरियंट

पेपर मिल में माल अनलोड कर वापस जा रही थी। इसी दौरान एक डिब्बे के दो पहिए अचानक पटरी से उतर गए। लोको पायलट की सूचना पर रेलवे का तकनीकी अमला मौके पर पहुंचा और राहत कार्य शुरू किया। इस दौरान मालगाड़ी की रफ्तार धीमी थी, जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

रेलवे के अधिकारियों के अनुसार कभी-कभी तकनीकी खामियों के कारण ऐसी घटना होती हैं। घटना के बाद रेलवे कर्मचारियों ने तुरंत सुधार कार्य शुरू कर दिया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि उक्त रेल ट्रैक काफी पुराना हो चुका है, जिससे पटरियां काफी घिस चुकी हैं। संभवतः इसी कारण आए दिन यहां ऐसा हादसा हो रहा है। मिल प्रबंधन को चाहिए कि उक्त रेल ट्रैक का शीघ्र मेंटेनेन्स कराएं, ताकि भविष्य में ऐसे हादसे कि पुनरावृत्ति न होने पाए। वहीं, स्थानीय लोगों का कहना है कि मिल प्रबंधन सही ढंग से पटरी का रखरखाव नहीं करता है और कई साल पुराने ट्रैक पर माल गाड़ियों का आना-जाना आज भी बरकरार है। जिससे आए दिन ऐसी घटनाएं सामने आ रही हैं। प्रबंधन को इस पर जल्द सही कदम उठाना चाहिए। रेलवे के एक अधिकारी के अनुसार यह ट्रैक मिल प्रबंधन का निजी ट्रैक है।

सागर में युवक ने घर के कमरे में लगाई फांसी : खेत से लौटकर पहुंचा था घर, सुबह सोकर नहीं उठा तो कमरे में पहुंचे परिजन

सागर, एजेंसी। सागर के बिनायका थाना क्षेत्र के ग्राम महुना में शुक्रवार सुबह एक युवक ने अपने ही घर के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब युवक सोकर नहीं उठा तो परिवार के लोग कमरे में पहुंचे, जहां वह फंदे पर लटका मिला। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। शव को पोस्टमार्टम के लिए बंडा अस्पताल भेजा गया है। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।देर रात खेत से लौटा था गोविंद

जानकारी के अनुसार, गोविंद लोधी (उम्र 25 साल, निवासी महुना) गुरुवार रात खेत पर गया था। वह देर रात वापस घर लौटा और सीधे अपने कमरे में चला

रतलाम में कॉन्स्टेबल ने किया सुसाइड, पुलिस क्वार्टर में लगाई फांसी; पत्नी सुबह चाय के लिए उठाने गई तो फंदे पर मिले

रतलाम, एजेंसी। रतलाम में डीआरपी लाइन स्थित पुलिस क्वार्टर में शुक्रवार सुबह 50 वर्षीय कॉन्स्टेबल कोदार सिंह ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह एसपी ऑफिस में पदस्थ थे और पिछले चार दिनों से छुट्टी पर थे। परिजन के मुताबिक, वह एक गंभीर बीमारी से परेशान थे और डॉक्टरों ने इसे लास्ट स्टेज का बताया था। सुबह जब पत्नी चाय के लिए उठाने गई, तो उन्होंने पति को फंदे पर लटका पाया। स्टेशन रोड थाना पुलिस ने पंचनामा बनाकर शव को मेडिकल कॉलेज भिजवाया है।

गुरुवार शाम ही इंदौर से इलाज कराकर लौटे थे :

परिजनों के मुताबिक, कॉन्स्टेबल कोदार सिंह एक गंभीर बीमारी से ग्रस्त थे। उनका इंदौर और अहमदाबाद में इलाज चल रहा था। अहमदाबाद के डॉक्टरों ने भी बीमारी को लास्ट स्टेज का बताया था। वह चार दिन से छुट्टी पर थे और गुरुवार शाम को ही इंदौर से डॉक्टर को दिखाकर वापस लौटे थे।

रात में सोए, सुबह फंदे पर लटके मिले : परिजनों ने बताया कि रात को कोदार सिंह अपने कमरे में जाकर सो गए थे। शुक्रवार सुबह जब उनकी पत्नी उन्हें चाय के लिए उठाने गई, तो उन्होंने पति को पंखे से फांसी का फंदा लगाकर लटका हुआ पाया।

पुलिस ने शव को मेडिकल कॉलेज भेजा: घटना की जानकारी मिलने पर पुलिस अधिकारियों को सूचित किया गया। इसके बाद स्टेशन रोड थाना पुलिस मौके पर घर पहुंची। पुलिस टीम ने मृतक का शव पंखे से उतराया। पंचनामा बनाकर शव को मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

नीमच में बंद मकान में लगी आग : दमकल टीम ने ताला तोड़कर आग पर पाया काबू, मजदूरी के लिए बाहर गया था परिवार

नीमच, एजेंसी। नीमच सिटी थाना क्षेत्र के भगवानपुरा चौराहा स्थित एक बंद मकान में शुक्रवार दोपहर अज्ञात कारणों से आग लग गई। यह मकान मिस्त्री का कार्य करने वाले प्रताप सिंह यादव का बताया गया है। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य मजदूरी के लिए बाहर गए हुए थे, जिससे मकान पर ताला लगा था।

आस-पास के रहवासियों ने बंद मकान से धुएं का गुबार निकलते देखा। तत्काल स्थानीय पार्षद दुर्गाशंकर भील मौके पर पहुंचे और उन्होंने बिना देरी किए नगर पालिका को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड और दमकल की टीम तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। मामले की सूचना तुरंत पुलिस को दी

गई। मकान पर ताला लगा होने और आग तेजी से फैलने के कारण, दमकल टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मकान का ताला तोड़ा और आग बुझाने का काम शुरू किया।दमकल टीम की मुस्तैदी से आग पर जल्द ही काबू पा लिया गया। हालांकि, तब तक घर में रखी टीवी और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गए थे।ाग बुझने की सूचना पर आसपास बड़ी संख्या में भीड़ एकत्रित हो गई। सिटी पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना का जायजा लिया। गनीमत रही कि आग लगने के समय घर में कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई।

पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंडा हुआ नर्मदापुरमन्दो दिन में 3.5 डिग्री लुढ़का पारा, न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री पहुंचा

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदांचल समेत प्रदेश के कई जिलों में ठंड ने दस्तक दे दी है। पिछले दो दिनों में तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी और उत्तर से आ रहीं ठंडी हवाओं के कारण नर्मदापुरम की रातें हिल स्टेशन पचमढ़ी से भी ज्यादा ठंडी हो गई हैं। शुक्रवार को बैतूल में न्यूनतम तापमान 13.2 डिग्री और नर्मदापुरम में 16.8 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि पचमढ़ी में न्यूनतम तापमान 17.8 डिग्री रहा। सिर्फ 48 घंटे में बैतूल में 5.3 डिग्री और नर्मदापुरम में 3.5 डिग्री सेल्सियस तापमान में गिरावट हुई है। शहर में रातें ठंडी हो रही हैं और सुबह लोगों को हल्की सर्दी का एहसास होने लगा है। नर्मदापुरम में गुरुवार को न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस था, जो शुक्रवार को घटकर 16.8 डिग्री रह गया। वहीं अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरी ओर पचमढ़ी में शुक्रवार को दिन का तापमान 26.4 डिग्री और रात का तापमान 17.8 डिग्री दर्ज हुआ। इससे साफ है कि इस बार मैदानी इलाकों में ठंड जल्दी और तेजी से असर दिखा रही है।

आने वाले दिनों में और बढ़ेगी ठंड : मौसम वैज्ञानिक अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि इस समय पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं है। प्रदेश में मौसम शुष्क रहेगा और अगले कुछ दिनों में तापमान में 1 से 2 डिग्री तक और गिरावट हो सकती है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे उत्तरी हवाओं का प्रभाव बढ़ेगा, ठंड और तेज होगी और देर

कसरावद में स्वीट्स पार्लर में भीषण आग : 35 लाख के नुकसान की आशंका, शॉर्ट सर्किट की आशंका

राजगढ़, एजेंसी। राजगढ़ जिले के माचलपुर थाना क्षेत्र के गोघटपुर गांव के पास गुरुवार रात एक चलती कार में अचानक आग लग गई। इस दौरान कार ऑटोमैटिक लॉक होने से ड्राइवर कुछ देर तक अंदर फंसा रहा, लेकिन सूझबूझ दिखाते हुए उसने कांच तोड़कर किसी तरह बाहर निकलकर जान बचाई। हादसे में कार में रखे 50 हजार रुपए और मोबाइल जल गए।

जानकारी के अनुसार, गुरुवार रात करीब 8ऱ15 बजे लसुडल्या गांव भारतसिंह चौहान अपनी रेनॉल्ट ट्राइबर कार से गोघटपुर से पैसे लेकर वापस लौट रहे थे। जैसे ही वे गोघटपुर डेम के पास घाटी क्षेत्र में पहुंचे, कार के बोनट से धुआं निकलना शुरू हुआ और कुछ ही समय में आग भड़क गई।

कांच तोड़कर बाहर कूदा ड्राइवर : भारतसिंह ने बताया कि जैसे ही धुआं दिखाई दिया मैंने कार रोकी लेकिन अचानक गाड़ी लॉक हो गई। मैं अंदर फंस गया। पूरी ताकत लगाकर सामने का कांच तोड़ा और बाहर निकलकर जान बचाई। घटना में उनके कपड़े और बाल झुलसे, उन्हें मामूली चोटें आईं।

कार जलकर खाक, पैसे-मोबाइल भी राख : कार में रखे 50 हजार रुपए नकद और मोबाइल फोन आग में जल गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक कार पूरी तरह जल चुकी थी। घायल चालक को ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र माचलपुर पहुंचाकर उपचार कराया।

स्थानीय लोगों ने कहा कि अगर ड्राइवर ने कुछ सेकंड और देर की होती तो बड़ा हादसा हो सकता था। मौके पर जुटी भीड़ ने राहत की सांस ली कि चालक ने समय रहते हिम्मत दिखाई और मौत

के मुंह से बाहर निकल आया। घटना के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस का मानना है कि शॉर्ट सर्किट या ईंधन पाइप लीकेज इसकी वजह हो सकती है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

राजगढ़ में चलती कार में लगी आग, ड्राइवर अंदर फंसा-कांच तोड़कर बचाई जान, 50 हजार नकद और मोबाइल खाक

खरगोन, एजेंसी। खरगोन जिले के कसरावद में जय स्तंभ चौराहे पर शुक्रवार सुबह एक स्वीट्स दुकान में भीषण आग लग गई। भगवती स्वीट्स नाम की यह दुकान पूरी तरह जलकर खाक हो गई। दुकानदार ने लगभग 35 लाख रुपए के नुकसान का अनुमान लगाया है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, लेकिन प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है।

सुबह 6 बजे भड़की आग, अफरा-तफरी : आग सुबह करीब 6 बजे भड़की और कुछ ही मिनटों में पूरे प्रतिष्ठान को अपनी चपेट में ले लिया। दुकान के अंदर रखा लाखों रुपए का सामान जलकर राख हो गया। आग की ऊंची लपटों के कारण क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची और लोगों को घटनास्थल के पास जाने से रोक दिया।

पड़ोसी ने दी सूचना, 10 मिनट में पहुंची फायर ब्रिगेड: घटना के समय दुकान मालिक रामू वर्मा अपने घर पर सो रहे थे। सुबह धुआं उठता देख पड़ोसी होटल संचालक ने उन्हें घर पहुंचकर आग लगने की सूचना दी।

विश्व विजेताओं का सम्मान : मुंबई ने किया राधा यादव को सम्मानित, सीएम चंद्रबाबू नायडू से मिलीं श्री चरणी

नई दिल्ली, एजेंसी। विश्व कप विजेता भारतीय क्रिकेटर राधा यादव को पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी की उपस्थिति में पोयसर जिमखाना में सम्मानित किया गया। वहीं, अमरावती में श्री चरणी और पूर्व कप्तान मिताली राज ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू से मुलाकात की। सम्मान समारोह में राधा यादव ने कहा, इस आयोजन के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं इसके लिए आपको तहे दिल से धन्यवाद देती हूं। सभी लड़कियों को वह करने दें, जो वे करना चाहती हैं। उन्हें पूरा सपोर्ट कीजिए। पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी ने बताया, राधा मेरे घर से सिर्फ 100 मीटर की दूरी पर रहती हैं। राधा के पिता ने साल 1992 में मेरे पहले चुनाव में मेरा समर्थन किया था। अब राधा को इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करते देखकर, मुझे उनके परिवार से भी ज्यादा खुशी हो रही है।

दूसरी ओर, अमरावती में भारतीय क्रिकेटर श्री चरणी और पूर्व कप्तान मिताली राज ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू और राज्य के मानव संसाधन विकास एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री नारा लोकेश से मुलाकात की।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने श्री चरणी को भारत की महिला विश्व कप जीत पर बधाई दी। मुख्यमंत्री ने श्री चरणी से कहा कि महिला विश्व कप जीतकर उन्होंने भारतीय महिलाओं की शक्ति का परिचय दिया है। वह महिला एथलीट्स के लिए एक आदर्श बन गई हैं। मुख्यमंत्री नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर श्री चरणी और पूर्व कप्तान मिताली राज के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, भारत को विजेता बनाने वालीं स्पिनर के साथ सेल्फी। नारा लोकेश ने एक्स पर लिखा, भारतीय महिला क्रिकेट स्टार श्री चरणी और पूर्व कप्तान मिताली राज का अमरावती स्थित हमारे आवास पर स्वागत करते हुए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। श्री चरणी ने महिला विश्व कप 2025 में 9 मुकाबले खेलते हुए 27.64 की औसत के साथ 14 विकेट अपने नाम किए थे।

भारत ने नवी मुंबई में 7 नवंबर को खेले गए खिताबी मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 52 रन से शिकस्त दी थी। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए। इसके जवाब में साउथ अफ्रीकी टीम 45.3 ओवरों में 246 रन पर सिमट गई।

हसीन जहां की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने शमी को जारी किया नोटिस, चार हफ्तों में मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी। क्रिकेटर मोहम्मद शमी से अलग रह रहीं पत्नी हसीन जहां की गुजारा भत्ता बढाने की मांग वाली याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार और क्रिकेटर मोहम्मद शमी को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस मामले पर चार हफ्तों में जवाब मांगा है। अगली सुनवाई चार हफ्तों के बाद होगी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने प्रति महीने हसीन जहां को डेढ़ लाख रुपए और बेटी के लिए ढाईई लाख रुपए गुजारा भत्ता दिए जाने का आदेश दिया था, जिसके बाद हसीन जहां ने क्रिकेटर शमी से मिल रहे गुजारा भत्ते को बढ़ाने की मांग करते हुए कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्टमें चुनौती दी। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी करते हुए कहा कि हाईकोर्ट ने जो गुजारा भत्ता तय किया है वो उचित ही लगता है। मोहम्मद शमी ने साल 2014 में हसीन जहां के साथ निकाह किया था। करीब 4 साल बाद साल 2018 में हसीन जहां ने शमी पर घरेलू हिंसा का मामला दर्ज कराया, जिसके बाद से दोनों अलग हो गए। इसके बाद इंस्टाग्राम पोस्ट में हसीन जहां ने शमी को चरित्रहीन, लालची और मतलबी कहा था। एक शो के दौरान मोहम्मद शमी ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर कहा था कि कोई भी अपने घर में झगड़ा नहीं चाहता, खासकर तब, जब अपने देश की सेवा कर रहा हो। शमी ने स्पष्ट तौर पर कहाथा कि बीते वर्षों में उन पर जिस तरह के आरोप लगाए गए हैं, वह कुछ अपराधियों पर लगने वाले आरोपों से कहीं ज्यादा हैं। मोहम्मद शमी मार्च 2025 के बाद से भारतीय टीम में नहीं खेले हैं।

अंगोला के खिलाफ मैत्री मैच, अर्जेंटीना की टीम में नजर आएंगे लियोनेल मेसी

ब्यूनस आयर्स , एजेंसी। स्टार फुटबॉलर लियोनेल मेसी को अंगोला के खिलाफ मैत्री मैच में अर्जेंटीना की टीम में शामिल किया गया है। यह मैच 14 नवंबर को लुआंडा में आयोजित होगा। मैनेजर लियोनेल स्कालोनी ने मैत्री मैच के लिए 24 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। इसमें तीन नए खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। लियोनेल मेसी की इस टीम में लुटारो मार्टिनेज और जूलियन अल्वारेज भी शामिल हैं। नए खिलाड़ियों में विंगर जियानलुका प्रेस्टियानी, फॉरवर्ड जोआक्विन पैनिकेली और मिडफील्डर मैक्सिमो पेरोन का नाम है। यह आगामी फीफा अंतरराष्ट्रीय सत्र में साउथ अमेरिकी टीम का एकमात्र मैत्री मैच होगा। मौजूदा विश्व कप और कोपा अमेरिका चैंपियन टीम गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज के बिना मैदान में उतरेगी। फिलहाल एमिलियानो मार्टिनेज पिंडली की चोट से उबर रहे हैं।

फीफा विश्व कप 2026 जून से जुलाई के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में खेला जाएगा। यह मैत्री मैच फीफा विश्व कप से पहले मैनेजर लियोनेल स्कालोनी के लिए टीम के साथ प्रयोग करने के आखिरी मौकों में से एक होगा। पिछले महीने अर्जेंटीना ने प्यूर्टो रिको को 6-0 से शिकस्त दी थी। इस मुकाबले के दौरान मेसी पुरुष अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सर्वाधिक असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बने थे, जिन्होंने अब तक कुल 60 असिस्ट किए हैं। 58-58 असिस्ट के साथ नेमार और लैंडन डोनोवन उनसे पीछे हैं। मेसी अपने पेशेवर करियर में 400 असिस्ट पूरे करने से सिर्फ 3 ही कदम दूर हैं। पिछले महीने एमएलएस गोल्डन बूट जीतने वाले मेसी 29 गोल दागकर इंटर मियामी के साथ अपने दूसरे पूरे सीजन में लीग के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए हैं।

मैत्री मैच के लिए अर्जेंटीना की टीम- गोलकीपर- खेरोनिमो रोली, वाल्टर बेनिटेज।

रक्षकों- नहुएल मोलिना, जुआन फोएथ, क्रिस्टियन रोमेरो, निकोलस ओटामेंडी, मार्कोस सेनेसी, निकोलस टग्लिआफिको, वैलेन्टिन बारको। मिडफील्डर- एलेक्सिस मैक एलिस्टर, मैक्सिमो पेरोन, रोड्रिगो डी पॉल, एंजो फर्नांडीज, थियागो अल्माडा, जियोवानी लो सेल्सो, निकोलस पाज। फॉरवर्ड- लियोनेल मेसी, गिउलिआनो शिमोन, जियानलुका प्रेस्टियानी, निकोलस गोंजालेज, लुटारो मार्टिनेज, जोस मैनुअल लोपेज, जूलियन अल्वारेज, जोकिन पैनिचेली।

चैंपियंस लीग : फिल फोडेन ने दागे 2 गोल, डॉर्टमुंड के खिलाफ मैनचेस्टर सिटी की आसान जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। मैनचेस्टर सिटी ने बोरुसिया डॉर्टमुंड पर 4-1 से शानदार जीत दर्ज की। इसी के साथ टीम ने चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में चौथा स्थान हासिल कर लिया है। फिल फोडेन इस मुकाबले के हीरो रहे, जिन्होंने दो गोल दागे। डॉर्टमुंड ने शुरुआती समय में मैनचेस्टर सिटी को रोके रखा, लेकिन 22वें मिनट फिल फोडेन ने बॉक्स के किनारे से एक सटीक लो शॉट लगाकर मैच का रुख बदल दिया। इसके 7 मिनट बाद एर्लिंग हालैंड ने डोकू के क्रॉस पर एक जोरदार शॉट लगाकर सिटी की बढ़त को दोगुना कर दिया। यहां से डॉर्टमुंड मुकाबले में 0-2 से पिछड़ गई थी। शानदार शुरुआत के बावजूद मेहमान टीम सिटी की गति और मूवमेंट को संभालने में नाकाम रही। हाफ टाइम से पहले गोलकीपर ग्रेगोर कोबेल को बार-बार एक्शन में आना पड़ा। फिल फोडेन ने 57वें मिनट में फिर से गोल दागते हुए स्कोर 3-0 कर दिया। मुकाबले के 72वें मिनट डॉर्टमुंड ने जवाब दिया। वाल्डेमर एंटोन ने एक शॉर्ट फ्री किक के बाद वॉली मारकर गोल किया। मैच खत्म होने में 20 मिनट से भी कम समय शेष रह गया था। मुकाबले का स्कोर 3-1 था। इस बीच बुंडेसलीगा टीम ने आगे बढ़कर हमला किया। करीम एडेयेमी दो बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन सब्स्टीट्यूट रेयान चेर्की ने स्टॉपेज टाइम (90+1) में गोल करके नतीजा पक्का कर दिया। मैनचेस्टर सिटी चैंपियंस लीग स्टैंडिंग में अब टॉप-3 टीमों बायर्न म्यूनिख, आर्सेनल और इंटर से सिर्फ 2 प्वाइंट पीछे है। अब डॉर्टमुंड इस महीने के आखिर में विलारियल की मेजबानी करने से पहले अपनी पहली चैंपियंस लीग हार से उबरने की कोशिश करेगा।

टी20 सीरीज : स्पिनर्स का कमाल, चौथे मैच में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हराया

सीरीज में 2-1 की बढ़त बनाई

क्वींसलैंड, एजेंसी। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को क्वींसलैंड में खेले गए चौथे टी20 मैच में 48 रन से हराकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारतीय टीम के दिए 168 रन के लक्ष्य के जवाब में ऑस्ट्रेलिया 18.2 ओवर में 119 रन पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए पारी की शुरुआत करने उतरे कप्तान मिशेल मार्श 30 और मैट शॉर्ट 25 के अलावा सारे बल्लेबाज फ्लॉप रहे। आखिरी पांच बल्लेबाज दो अंकों में भी नहीं पहुंच सके। ऑस्ट्रेलिया को 119 रन पर समेटने में भारतीय स्पिन गेंदबाजों का अहम योगदान रहा। वाशिंगटन सुंदर ने 1.2 ओवर में 3 रन देकर 3 विकेट लिए। अक्षर पटेल ने 2 जबकि वरुण चक्रवर्ती ने 1 विकेट लिए। शिवम दुबे ने भी 2 विकेट लिए। तेज गेंदबाजों अर्शदीप सिंह और जसप्रीत बुमराह को 1-1 विकेट मिले। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम को शुभमन गिल और अभिषेक शर्मा ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 56 रन जोड़े। अभिषेक 21 गेंद पर 28 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में आउट हुए। इसके बाद निरंतर अंतराल पर विकेट गिरते रहे। इसका परिणाम यह हुआ कि टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 167 रन ही बना सकी। शुभमन गिल 39 गेंद पर 46 रन बनाकर श्रेष्ठ स्कोरर रहे।

शिवम दुबे ने 22, कप्तान सूर्यकुमार यादव ने 20 और अक्षर पटेल ने नाबाद 21 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया के लिए नाथन एलिस ने 4 ओवर में 21 रन देकर 3 विकेट लिए। एडम जांपा मंहगे रहे। उन्होंने 3 विकेट लिए लेकिन 4 ओवर में 45 रन लुटाए। जेवियर बार्टलेट और मार्क्स स्टॉयनिस को 1-1 विकेट मिले।

पांच टी20 मैचों की सीरीज में भारतीय टीम 2-1 से आगे हो गई है। सीरीज का पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था। सीरीज का पांचवां और आखिरी मैच शनिवार को खेला जाएगा।

दूसरे टी20 मैच में न्यूजीलैंड की रोमांचक जीत, सीरीज में बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी । न्यूजीलैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑकलैंड में खेले गए दूसरे टी20 मैच को 3 रन के करीबी अंतर से अपने नाम किया। इसी के साथ मेजबान टीम ने पांच मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी कर ली है। मुकाबले में टॉस हारकर बल्लेबाजी के लिए उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने निर्धारित ओवरों में 5 विकेट खोकर 207 रन बनाए। टिम रॉबिन्सन और डेवोन कॉन्वे की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 55 रन जोड़ते हुए टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई। रॉबिन्सन ने 25 गेंदों में 39 रन की पारी खेली, जबकि कॉन्वे 16 रन बनाकर आउट हुए।

इसके बाद मार्क चैपमैन ने डेरिल मिचेल के साथ चौथे विकेट के लिए 18 गेंदों में 57 रन की ताबड़तोड़ साझेदारी करते हुए टीम को मजबूत स्थिति तक पहुंचाया। चैपमैन 28 गेंदों में 7 छक्कों और 6 चौकों के साथ 78 रन बनाकर आउट हुए, जबकि मिचेल ने 14 गेंदों में नाबाद 28 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से रोस्टन चेज ने सर्वाधिक 2 विकेट हासिल किए, जबकि मैथ्यू फोर्ड, जेसन होल्डर और रोमारियो शेफर्ड ने 1-1 विकेट निकाले। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में 8 विकेट खोकर 204 रन ही बना सकी।

इस टीम के लिए एलिक एथनाज ने 33 रन बनाए, जबकि रॉवमैन पॉवेल ने 16 गेंदों में 45 रन जोड़े। इनके अलावा, रोमारियो शेफर्ड ने 34 रन का योगदान टीम के खाते में दिया। न्यूजीलैंड की तरफ से कप्तान मिचेल सेंटनर और ईश सोढ़ी ने 3-3 विकेट निकाले, जबकि जैकब डफी और काइल जेमीसन ने 1-1 विकेट हासिल किया। न्यूजीलैंड की टीम टी20 सीरीज का पहला मैच 7 रन से गंवा चुकी थी। ऐसे में दूसरे मुकाबले को जीतकर इस टीम ने सीरीज में बराबरी कर ली है। तीसरा मुकाबला नेल्सन में 9 नवंबर को खेला जाना है। पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज के बाद दोनों देश तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज खेलेंगे, जिसके बाद इतने ही मुकाबलों की टेस्ट सीरीज आयोजित होगी।

टीम में जगह न मिलने का पछतावा नहीं - सुनील छेत्री

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय फुटबॉल टीम के दिग्गज खिलाड़ी सुनील छेत्री ने कहा है कि एशियाई कप क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम के संभावितों में शामिल न होने का उन्हें कोई पछतावा नहीं है। छेत्री ने कहा है कि मैं फुटबॉल में इतने लंबे समय से हूं कि मुझे पता था कि ऐसा हो सकता है। मुझे इस बात का मलाल है कि भारत 2027 एशियाई कप फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर सका। हम ऐसी टीम नहीं हैं जो बस आकर जीत जाए। हमें कड़ी मेहनत करनी होगी, गति चाहिए, और चीजें हमारे अनुकूल होनी चाहिए। मैं यह नहीं कह रहा कि इसीलिए हम क्वालीफाई नहीं कर पाए, लेकिन इससे मदद मिलती। भारतीय सीनियर फुटबॉल टीम के मुख्य कोच खालिद जमील ने बुधवार को संभावित 23 खिलाड़ियों के नाम की घोषणा की। इसमें पूर्व कप्तान और दिग्गज फुटबॉलर सुनील छेत्री का नाम नहीं था। सुनील छेत्री ने मार्च 2025 में संन्यास से वापसी करते हुए एएफसी एशियाई कप 2027 क्वालीफायर खेलने की इच्छा जाहिर की थी। उनका नाम फीफा अंतर्राष्ट्रीय विंडो के 30 संभावित खिलाड़ियों की सूची में शामिल किया गया था, लेकिन 23 खिलाड़ियों की सूची से उन्हें बाहर कर दिया गया है। तीन एएफसी एशियाई कप खेलने वाले एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हाल में संपन्न सीएएफए नेशंस कप का भी हिस्सा नहीं थे। छेत्री भारत के सफलतम फुटबॉल खिलाड़ियों में से एक हैं। उनका अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में मेसी चौथे नंबर पर हैं और 157 मैचों में 95 गोल कर चुके हैं।

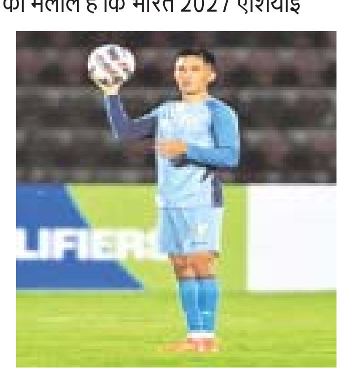

प्लेयर ऑफ द मैच अक्षर पटेल ने अपने बल्लेबाजी क्रम पर निराशा जताई

क्वींसलैंड , एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम ने क्वींसलैंड में खेले गए टी20 मैच में ऑस्ट्रेलिया को 48 रन से हरा दिया। इस जीत के हीरो ऑलराउंडर अक्षर पटेल रहे। अक्षर ने गेंद और बल्ले से महत्वपूर्ण योगदान देते हुए टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। बेहतरीन प्रदर्शन के लिए पटेल को प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। पुरस्कार लेते हुए अक्षर पटेल ने अपने बल्लेबाजी क्रम को लेकर निराशा जताई। अक्षर पटेल ने कहा, मुझे नहीं लगता कि छठा या सातवां नंबर मेरा पसंदीदा बल्लेबाजी क्रम है। मैं बस क्रीज पर जाता हूं और टीम की जरूरत के मुताबिक खेलता हूं। मेरे हिसाब से बल्लेबाजों की यही ताकत है। पटेल को बल्लेबाजी के लिए आठवें नंबर पर भेजा गया था। 11 गेंद पर 1 चौका और 1 छक्का लगाते हुए उन्होंने नाबाद 21 रन की पारी खेली। अपनी बल्लेबाजी पर पटेल ने कहा, मैं बल्लेबाजी के लिए निचले क्रम में गया। इसलिए मुझे विकेट को समझने का मौका मिल गया था। मैंने अपने साथी खिलाड़ियों से बात भी की थी। पिच धीमी थी, लेकिन अप्रत्याशित उछाल था। इस वजह से बल्लेबाजी थोड़ी मुश्किल थी।

पटेल ने गेंदबाजी में भी कमाल किया और 4 ओवर में 20 रन देकर 2 विकेट लिए।

अपनी गेंदबाजी पर पटेल ने कहा, मैं अपनी योजना के अनुसार गेंदबाजी कर रहा था। अगर बल्लेबाज मुझे लाइन के नीचे से हिट करने वाले होते हैं, तो मैं मिडिल स्टंप पर गेंदबाजी कर सकता हूं। गुड लेंथ, 5-6 मीटर लेंथ, और फिर अगर चीजें मेरे अनुकूल नहीं हो रही हों, तो मैं बस एक-दो फुल लेंथ की गेंद फेंकता हूं। विकेट टू विकेट गेंदबाजी सबसे महत्वपूर्ण है। इसका फायदा मुझे मिला।

मैच की बात करें तो पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 167 रन बनाए थे। ऑस्ट्रेलिया को 18.2 ओवर में 119 रन पर समेट टीम ने 48 रन से जीत हासिल की। जीत के साथ भारत ने 5 टी20 मैचों की सीरीज में 2-1 से बढ़त बना ली है। पहला मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था, जबकि आखिरी मैच शनिवार को खेला जाएगा।

बांग्लादेश की पूर्व महिला क्रिकेट कप्तान ने लगाए यौन उत्पीड़न के आरोप

बीसीबी करेगा मामले की जांच

नई दिल्ली, एजेंसी । बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) महिला टीम की पूर्व कप्तान जहांआरा आलम की ओर से लगाए गए आरोपों की जांच के लिए एक समिति गठित करेगा। इसके साथ ही बोर्ड ने समिति को 15 कार्यदिवसों के भीतर अपने निष्कर्ष और सिफारिशें प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जहांआरा ने पूर्व चीफ सेलेक्टर और टीम मैनेजर मंजरुल इस्लाम पर यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। बीसीबी की ओर से जारी बयान में कहा गया है, बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने बांग्लादेश की राष्ट्रीय महिला क्रिकेट टीम की एक पूर्व सदस्य की ओर से टीम से जुड़े कुछ व्यक्तियों द्वारा कथित कदाचार के संबंध में लगाए गए आरोपों पर चिंता व्यक्त की है। यह मामला संवेदनशील है, इसलिए बीसीबी ने आरोपों की जांच के लिए एक समिति गठित करने का फैसला लिया है। यह समिति 15 कार्यदिवसों के भीतर अपने निष्कर्ष

और सिफारिशें प्रस्तुत करेगी। बयान में कहा गया है, बीसीबी अपने सभी खिलाड़ियों और कर्मचारियों के लिए एक सुरक्षित, सम्मानजनक और पेशेवर वातावरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बोर्ड ऐसे मामलों को बेहद गंभीरता से लेता है और जांच के निष्कर्षों के आधार पर उचित कार्रवाई करेगा।

जहांआरा ने पत्रकार रियासाद अजीम को दिए एक इंटरव्यू में बताया है कि टीम मैनेजर मंजरुल इस्लाम ने उनके साथ अनुचित व्यवहार किया था। वह बगैर इजाजत उनके कंधे पर हाथ रखते और ऐसी निजी बातें करते, जिससे उन्हें असहज महसूस होता। पूर्व सेलेक्टर और मैनेजर हाथ मिलाने के बजाय गले लगाने के लिए उनके पास आते थे। यह उनकी टीम की साथियों और अन्य अधिकारियों की मौजूदगी के बावजूद होता था।

जहांआरा के मुताबिक उन्होंने इसकी शिकायत बीसीबी के पूर्व निदेशक शफीउल इस्लाम नादेल और बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी निजामुद्दीन चौधरी से की थी।

पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने किया अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अधिवेशन का शुभारंभ

साहित्य से आर्थिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना मिलती है, विन्ध्य ने हमें सफेद बाघ और थल तथा नौसेना अध्यक्ष का गौरव दिया है: पूर्व राष्ट्रपति

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के 17वें अधिवेशन का शुभारंभ पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया। रीवा के कृष्णा राज कपूर आडिटोरियम में आयोजित समारोह में पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि विन्ध्य साहित्य और संगीत के साधकों की भूमि है। यह बीरबल और तानसेन जैसे व्यक्तियों की जन्मभूमि है। विन्ध्य सफेद बाघ के लिए पूरी दुनिया में विख्यात है। विन्ध्य ने हमें सफेद बाघ ही नहीं वर्तमान में थल सेना अध्यक्ष उपेन्द्र द्विवेदी और नौ सेना अध्यक्ष एडमिरल दिनेश त्रिपाठी दिए हैं। यह विन्ध्य ही नहीं पूरे देश के लिए बहुत बड़ा गौरव है। अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तीन दिवसीय अधिवेशन ने देश भर के साहित्यकारों और विद्वानों को इस पावन भूमि के सानिध्य का अवसर दिया है। अधिवेशन का मूल वाक्य आत्मबोध से विश्वबोध है। अपने आपको जब हम ठीक से जानकर सच्चे अर्थों में आत्मबोध कर लेंगे तभी हमें विश्व का बोध होगा।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि जो स्वयं को जान लेता है वही विश्व कल्याण कर सकता है। जब आत्मबोध और आत्मशक्ति क्षीण होने लगती है तब हम पराभव की ओर जाते हैं। ऐसे में राष्ट्र गुलामी की जंजीरों में जकड़ जाता है। देश में सदियों की पराधीनता में भी साहित्य ने बौद्धिक चेतना और सांस्कृतिक मूल्यों का दीप जलाए रखा। स्वाधीनता संग्राम में साहित्य और साहित्यकारों का अतुलनीय योगदान है। स्वाधीनता के बाद देश में विकास की चेतना के लिए भी साहित्य सशक्त माध्यम बना। साहित्य से ही हमें आर्थिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक चेतना मिलती है। इन्हें साहित्य ही एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ले जाता है।

समारोह में उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि साहित्य परिषद के तीन दिवसीय अधिवेशन में विद्वानों द्वारा किए गए विचार मंथन से जो अमृत निकलेगा वह देश को नई दिशा देगा। रीवा में अधिवेशन का आयोजन होना हम सबके लिए बहुत बड़ा गौरव है। विन्ध्य को महामृत्युंजय भगवान, माँ शारदा, माँ विन्ध्यवासिनी, चिरहुलानाथ स्वामी, रानी तालाब की कालिका देवी का आशीर्वाद प्राप्त है। माँ नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक और भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट भी विन्ध्य में ही है। आज का दिन हम वंदे मातरम गीत के 150वें स्मरोणत्सव को मना रहे हैं। आज ही इस अधिवेशन का शुभारंभ हमारे लिए अविस्मरणीय है।

समारोह में साहित्य परिषद के वरिष्ठ साहित्यकार विश्वास पाटिल ने रोचक संस्मरणों के साथ अपनी साहित्यिक यात्रा और साहित्य परिषद के कार्यों की जानकारी दी। समारोह में साहित्य परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री डॉ ऋषि कुमार मिश्र ने साहित्य परिषद के कार्यों और उपलब्धियों का विवरण प्रस्तु किया। समारोह में पूर्व राष्ट्रपति ने रेवाखण्डे पुस्तिका का विमोचन किया। समारोह में पूर्व राष्ट्रपति को साहित्य परिषद की ओर से स्मृति चिन्ह और सुपारी की कलाकृति भेंट कर सम्मानित किया गया। समारोह में सांसद जनार्दन मिश्र, विधायक मऊगंज प्रदीप पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, साहित्य परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीधर पराड़कर, साहित्य परिषद के अध्यक्ष डॉ सुशीलचंद्र त्रिवेदी तथा प्रांताध्यक्ष राकेश सोनी, जिलाध्यक्ष शिवानंद तिवारी तथा अधिवेशन संयोजक चंद्रकांत तिवारी सहित देश भर के एक हजार से अधिक साहित्यकार शामिल हुए। अधिवेशन का संचालन साहित्य परिषद के संयुक्त महामंत्री डॉ पवनपुत्र बादल ने किया।

रीवा एनएसयूआई ने नव प्रवेशित छात्रों का किया स्वागत, संवाद कार्यक्रम में युवाओं से की सार्थक चर्चा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में एनएसयूआई रीवा जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय के मुख्य आतिथ्य में नव प्रवेशित छात्रों के स्वागत एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र हितों से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम का आयोजन टीआरएस कॉलेज के इकाई अध्यक्ष नित्कर्ष मिश्रा द्वारा किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में एनएसयूआई जिलाध्यक्ष पंकज उपाध्याय ने बताया कि कार्यक्रम में छात्र हितों की आवाज़, युवाओं से वोट चोरी, गौ हत्या और नशे की बढ़ती प्रवृत्ति जैसे मुद्दों पर खुलकर चर्चा की गई। उन्होंने शिक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता, छात्रवृत्तियों, और मूलभूत सुविधाओं की मांग पर बल दिया।

वोट चोरी पर चर्चा करते हुए पंकज उपाध्याय ने युवाओं से लोकतंत्र की रक्षा और मतदान के अधिकार के प्रति सजग रहने की अपील की। गौ हत्या पर वक्ताओं ने कहा कि यह केवल धार्मिक नहीं बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता से जुड़ा मुद्दा है, जिसके प्रति हर युवा को जिम्मेदार बनना चाहिए। नशे के दुष्प्रभावों पर वक्ताओं ने युवाओं को चेतावनी दी और कहा कि नशा युवाओं के जीवन को अंधकार की ओर ले जाता है।

कार्यक्रम का सफल संचालन जिला उपाध्यक्ष सत्यम मिश्रा ने किया। रीवा विधानसभा अध्यक्ष संस्कार त्रिपाठी ने उपस्थित अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

हनुमना चेकपोस्ट पर ड्राइवर से मारपीट, अवैध वसूली का आरोप; सर्व चालक कल्याण संघ ने ज्ञापन देकर कार्रवाई की मांग की

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमना आरटीओ चेकपोस्ट पर एक ट्रक ड्राइवर के साथ मारपीट और अवैध वसूली का मामला सामने आया है। इस घटना के विरोध में सर्व चालक कल्याण संघ, जिला मऊगंज ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपकर दोषी आरटीओ कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

ड्राइवर से 500 रुपए की नकद वसूली का आरोप: संघ की ओर से दी गई जानकारी के अनुसार, यह घटना मंगलवार की है। जालौन (उत्तर प्रदेश) निवासी ड्राइवर रविशंकर चौधरी अपने ट्रक (एनएल01एडी0730) से कोलकाता जा रहे थे। हनुमना चेकपोस्ट पर आरटीओ कर्मियों ने उन्हें वाहन अंदर ले जाने को कहा और कथित तौर पर 500 रुपए की अवैध वसूली की मांग की। ड्राइवर रविशंकर चौधरी ने जब नकद भुगतान करने से इनकार किया, तो उनके साथ मारपीट की गई। आरोप है कि उनसे सादे कागज पर जबरन हस्ताक्षर भी करवाए गए।

हस्ताक्षर करवाने और मोबाइल छीनने का भी आरोप: घटना की सूचना मिलने पर सर्व चालक कल्याण संघ के जिलाध्यक्ष राजकुमार विश्वकर्मा अपने साथियों के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां उनके साथ भी अभद्रता और मारपीट की गई। जिलाध्यक्ष ने बताया कि ड्राइवर से 500 रुपए नकद मांगे जा रहे थे, जबकि वह ऑनलाइन भुगतान करने को तैयार था। नकद भुगतान न करने पर आरटीओ कर्मियों ने ड्राइवर को धर्मकांटा के कमरे में ले जाकर पीटा और धमकाया। राजकुमार विश्वकर्मा ने यह भी आरोप लगाया कि एफआईआर दर्ज करने में देरी की गई और मौके पर मौजूद अधिकारियों ने उनके मोबाइल फोन छीन लिए। उन्होंने दावा किया कि आरटीओ विभाग की जिस बोलेरो गाड़ी का उपयोग किया जा रहा था, उसका बीमा जनवरी 2025 से समाप्त हो चुका है।

कार्रवाई न होने पर जिलेभर में आंदोलन की चेतावनी: संघ ने चेतावनी दी है कि यदि दोषी कर्मचारियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो जिलेभर के ड्राइवर संगठन व्यापक आंदोलन शुरू करेंगे। संघ ने यह सवाल भी उठाया कि जब मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्वयं मध्यप्रदेश के सभी बॉर्डर बंद करने के आदेश जारी किए हैं, तो फिर हनुमना चेकपोस्ट पर चेकिंग और वसूली किसके आदेश से की जा रही है। सर्व चालक कल्याण संघ ने प्रशासन से तत्काल दोषी कर्मचारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने की मांग की है।

मतदाताओं को किया जा रहा गणना पत्रक का वितरण

रीवा। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुसार मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। बीएलओ चार दिसम्बर तक घर-घर जाकर मतदाताओं से मतदाता सूची के संबंध में आवश्यक जानकारी प्राप्त कर रहे हैं। इस संबंध में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती प्रतिभा पाल ने बताया कि निर्वाचन आयोग से प्राप्त गणना पत्रक का वितरण किया जा रहा है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में बीएलओ घर-घर जाकर प्रत्येक मतदाता को दो प्रतियों में गणना पत्रक वितरित कर रहे हैं। इसमें मतदाता से जुड़ी जानकारी दर्ज कर उसकी एक प्रति मतदाता को दी जाएगी।

'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष पूर्ण होने पर रीवा पुलिस ने भव्य मैराथन दौड़ का किया आयोजन

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पुलिस मुख्यालय, भोपाल के निर्देशानुसार दिनांक 7 नवम्बर 2025 को जिला रीवा पुलिस द्वारा एक भव्य मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में जिले के पुलिस अधिकारी, कर्मचारी, जवानों के साथ-साथ आम नागरिकों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

मैराथन का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक रीवा शैलेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर एवं देहात), पुलिस के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, विशेष सशस्त्र बल 9वीं बटालियन, पुलिस प्रशिक्षण शाला के अधिकारी-कर्मचारी एवं पुलिस बल के खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी प्रतिभागियों में देशभक्ति और उत्साह का विशेष जोश देखने को मिला।

इस अवसर पर युवा कल्याण विभाग रीवा के सहयोग से फिजिकल अकादमी के छात्र-छात्राओं ने भी भाग लेकर कार्यक्रम को और अधिक भव्य बनाया। सभी प्रतिभागियों ने 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ को गर्व और सम्मान के साथ मनाया।

मैराथन के समापन अवसर पर सामूहिक रूप से राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' का गायन किया गया। वहीं विशेष सशस्त्र बल 9वीं बटालियन की बैंड टुकड़ी द्वारा देशभक्ति गीतों की मधुर प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिससे पूरा वातावरण देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो उठा।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवाओं और पुलिस कर्मियों में राष्ट्रीय एकता, अनुशासन तथा देशप्रेम की भावना को सशक्त बनाना रहा। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए पुलिस अधीक्षक ने सभी प्रतिभागियों और सहयोगी संस्थाओं का आभार व्यक्त किया।

कॉलेज छात्रों को साइबर सुरक्षा और नशा मुक्ति की सीख, हनुमना पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत चलाया जागरूकता अभियान

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। जिले के हनुमना स्थित सेठ रघुनाथ दास महाविद्यालय में शुक्रवार को 'ऑपरेशन मुस्कान' के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देश पर चलाए जा रहे। इस अभियान का उद्देश्य बच्चों और युवाओं को सुरक्षा, जागरूकता तथा सामाजिक बुराइयों से बचाव के प्रति सजग करना है। कार्यक्रम में थाना प्रभारी अनिल काकडे के नेतृत्व में हनुमना पुलिस टीम ने छात्र-छात्राओं को सुरक्षा संबंधी विभिन्न विषयों पर जानकारी प्रदान की। थाना प्रभारी ने बताया कि वर्तमान डिजिटल युग में जागरूक रहना ही सुरक्षा की सबसे बड़ी ढाल है। उन्होंने बाल सुरक्षा, साइबर अपराधों से बचाव, नशा मुक्ति, बाल विवाह और दहेज प्रथा के दुष्परिणामों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर छात्रों को जागरूक किया।

पुलिस अधिकारियों ने छात्रों को छोटी-छोटी सावधानियों से बड़े अपराधों को रोकने के तरीके बताए। उन्होंने 'गुड टच' और 'बैड टच' के बारे में विस्तार से समझाया और बच्चों को अपनी सुरक्षा के अधिकार के प्रति सजग रहने की सलाह दी। इसके अतिरिक्त, संकट की स्थिति में तत्काल सहायता प्राप्त करने के लिए हेल्पलाइन नंबर 1098, 112 और 181 की जानकारी भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया और कई प्रश्न पूछे, जिनका समाधान पुलिस अधिकारियों ने सरल एवं स्पष्ट भाषा में किया। इस 'ऑपरेशन मुस्कान' जागरूकता अभियान ने छात्रों में सुरक्षा की भावना के साथ-साथ आत्मविश्वास और सजगता भी विकसित की।

चोरहटा पुलिस की कार्रवाई, इनोवा से 105 किलो 980 ग्राम अवैध गांजा जप्त; एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन प्रहार 2.0 के तहत रीवा पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। थाना चोरहटा प्रभारी आशीष मिश्रा एवं उनकी टीम ने एक इनोवा कार से भारी मात्रा में गांजा बरामद करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिले में नशे के अवैध कारोबार पर रोक लगाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 7 नवंबर को थाना चोरहटा पुलिस को मुखबिर द्वारा सूचना दी गई कि एक सफेद रंग की इनोवा कार में अवैध रूप से बड़ी मात्रा में गांजा का परिवहन किया जा रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए थाना प्रभारी आशीष मिश्रा ने तत्काल एक विशेष टीम गठित कर ग्राम देवरा बाईपास रोड की ओर घेराबंदी की। कुछ देर बाद संदिग्ध इनोवा कार को आते देख पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन चालक ने भागने की कोशिश की।

पुलिस ने समझदारी और तत्परता दिखाते हुए वाहन को घेरकर रोक लिया। जब कार की तलाशी ली गई, तो उसमें से कुल 105 किलो 980 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 21 लाख 20 हजार रुपये आंकी गई है। मौके पर मौजूद व्यक्ति की पहचान अखिलेश सिंह पटेल उर्फ पप्पू, निवासी ग्राम बीड़ा, थाना सेमरिया, जिला रीवा के रूप में हुई। आरोपी को मौके पर ही गिरफ्तार कर वाहन सहित गांजा को जप्त कर लिया गया।

थाना प्रभारी आशीष मिश्रा ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी गई है।

युवा कांग्रेस संगठन चुनाव में अमित सिंह बने जिला उपाध्यक्ष

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस के संगठन चुनाव के परिणाम आज घोषित हुए, जिसमें जिलेभर से युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस चुनाव में अमित सिंह जवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जिला उपाध्यक्ष, युवा कांग्रेस रीवा के पद पर विजय हासिल की। विधानसभा सिरमौर के अध्यक्ष पद पर अविनिश सिंह गहरवार (जवा) विजयी घोषित हुए। वहीं ब्लॉक जवा अध्यक्ष पद पर पुष्पेंद्र विश्वकर्मा (ग्राम गोहट), डभौरा ब्लॉक अध्यक्ष पद पर अमर सिंह बघेल (सोनू टिकरी) तथा सिरमौर ब्लॉक अध्यक्ष पद पर शुभम सोनी (पदरी) ने जीत दर्ज की।

विदित हो कि यह सभी नव निर्वाचित अध्यक्षगण युवा कांग्रेस नेता एवं जिला युवा कांग्रेस के नव निर्वाचित उपाध्यक्ष अमित चक्रधर सिंह जवा, जो कि सरपंच सितलहा एवं अध्यक्ष, सरपंच संघ जनपद पंचायत जवा भी हैं, के मार्गदर्शन में चुनाव लड़े और विजयी हुए। अपनी जीत पर सभी विजयी उम्मीदवारों ने अपने युवा साथियों, समर्थकों और संगठन के वरिष्ठों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे।

भगवत गीता से कर्तव्य, आत्मज्ञान, समत्व और भक्ति के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है: उप मुख्यमंत्री

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भगवत गीता मानव जीवन का सर्वोच्च मार्गदर्शक ग्रंथ है जिसके माध्यम से कर्तव्य, आत्मज्ञान, समत्व और भक्ति के मार्ग पर चलने की सीख मिलती है। भगवत गीता संपूर्ण जीवन दर्शन है। कर्म, भक्ति व संन्यास योग को समेटे यह ग्रंथ आज भी उतना ही प्रासंगिक है जितना हजारों वर्ष पूर्व था। उप मुख्यमंत्री अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में भगवत गीता का जीवन बोध विषय पर आधारित विचार संगोष्ठी में शामिल हुए।

विश्व विद्यालय के पर्यावरण जीव विज्ञान विभाग के तत्वाधान में पंडित शंभूनाथ शुक्ल सभागार में आयोजित कार्यक्रम में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे शास्त्रों व पुराणों में जीवन बोध की व्याख्या है इन्हें अपने जीवन में उतारने से आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि गीता हमे दिशा दिखाती है। अपनी संस्कृति व विरासत से जुड़कर ही विकास को वरदान बनाया जा सकता है। शुक्ल ने कहा कि गीता में कहा गया है कि जो समाज के लिये नुकसान दायक हो उसे सजा देना आवश्यक है। आज वन्दे मातरम राष्ट्रगीत के 150 वें वर्षगांठ के अवसर पर भारत माँ के वीर सपूतों को नमन करने का भी दिन है जिनके बलिदान से हमें आजादी मिली। कार्यक्रम में सांसद जनार्दन मिश्र ने कहा कि गलत कार्य करने व दुराग्रह को पाल लेने से ही जीवन उन्नति की तरफ जाता है। नागरिक कर्तव्य बोध यह है कि गलत कार्य न करें व गलत कार्य न करने दें। कर्तव्य बोध ही गीता का ज्ञान है। उन्होंने लोगों से गीता को आत्मसात करते हुए सद्मार्ग पर चलने का आह्वान किया।

विचार संगोष्ठी के मुख्यवक्ता गुजरात साहित्य परिषद के अध्यक्ष भागेश झा ने कहा कि भगवत गीता भारत के चिंतन का सार व सर्वस्व है। यह जीवन ग्रंथ है जो हर समय में प्रासंगिक है। भगवत गीता युद्ध शास्त्र के साथ-साथ जीवन जीना सिखाती है अच्छे व्यक्तियों के साथ रहने की सीख इससे मिलती है। उन्होंने कहा कि कर्म, ज्ञान व भक्ति का समन्वय गीता में है। इससे यह सीख मिलती है कि संघर्ष के समय भी प्रसन्न रहना चाहिए तभी भगवान आपके साथ रहेंगे। उन्होंने विद्यार्थियों व उपस्थित जनों से कहा कि कर्म करें व आत्मविश्वास से भरे रहें। अच्छे कार्य के सुखद परिणाम मिलते हैं। इस अवसर पर कुलपति सरदार बल्लभ भाई पटेल विश्वविद्यालय आणंद प्रो. निरंजन पी पटेल ने कहा कि विकसित भारत का स्वप्न युवा अपनी खुली आंखों से देख सकेंगे। प्रधानमंत्री जी के संकल्प को पूरा करने में सहभागी बनें।

मिशन वात्सल्य के तहत कार्यशाला का आयोजन संपन्न

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मिशन वात्सल्य के तहत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन शासकीय हाई स्कूल मैदानी में संपन्न हुआ। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास नयन सिंह के निर्देशन में पुलिस विभाग की मिथिलेश यादव सब इंस्पेक्टर एवं सिविल लाइंस की टीम ने विद्यार्थियों को मुस्कान अभियान के बारे में जानकारी दी। पोक्सो एक्ट में अगर कोई घटनाए आसपास होती हैं तो कैसे पुलिस विभाग की मदद ली जाए इस संबंध में विस्तार से बताया गया। चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, साइबर हेल्पलाइन 1930 की जानकारी भी दी गई।

महिला बाल विकास की बाल संरक्षण अधिकारी स्वाति श्रीवास्तव ने पोक्सो ई बॉक्स पोर्टल के बारे में बच्चों को बताया। अपनी शिकायत राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा स्थापित इस पोर्टल में करने की भी जानकारी दी। किशोर न्याय अधिनियम की जानकारी देते हुए बताया गया कि अधिनियम एवं पॉक्सो अधिनियम संपूर्ण रूप से बालकों को संरक्षण प्रदान करते हैं। बालिकाओं के साथ होने वाली कोई भी घटनाएं जिनसे आपको असहज महसूस होता है, तत्काल परिजन को माता-पिता को बताएं। छोटी-छोटी घटनाओं की अनदेखी करना आपके लिए बड़ी समस्या बन सकता है तथा छोटी बातें भी नजर अंदाज ना करें। बालक के प्रति क्रूरता अर्थात अनुशासन के नाम पर जबरदस्ती नहीं की जा सकती है यह न्याय संगत नहीं है। यदि इस प्रकार की घटना किसी के भी साथ होती है वह 1098, 112 पर सूचना दे सकते हैं। आभार प्रदर्शन स्कूल के प्राचार्य राघवेंद्र सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय स्टाफ, मनु सिंह एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, **संपादक संदीप द्विवेदी**, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।